● वर्ष-3
● अंक-280
रायपुर, बुधवार
03 जुलाई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› आफिस में क्या जरा ध्यान दें...

राहुल के बयान पर मोदी का पलटवार

हिंदुओं को सोचना होगा कि ये संयोग है या प्रयोग की तैयारी

नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा आज एक गंभीर विषय पर आपका और देशवासियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कल जो संसद में हुआ, देशवासी इसे सदियों तक माफ नहीं करेंगे। 131 साल पहले स्वामी विवेकानंदजी ने शिकागो में कहा था कि मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से आता हूं जिसने पूरी दुनिया को सहिष्णुता और वैश्विक स्वीकृति सिखाई है। विवेकानंदजी ने शिकागो में हिंदू धर्म के लिए दुनिया के दिग्गजों के सामने कहा था। हिंदू के कारण ही भारत की विविधता पनपी है और पनप रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, आज हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की साजिश हो रही है। षड्यंत्र हो रहा है। ये कहा गया हिंदू हिंसक होते हैं। ये हैं आपके संस्कार, ये है आपकी सोच, ये है आपका चरित्र। इस देश के हिंदुओं के साथ ये कारनामे। ये देश शताब्दियों तक इसे भूलने वाला नहीं है। कुछ दिन पहले हिंदुओं में जो शक्ति की कल्पना है, उसके विनाश की घोषणा की गई थी। आप किस शक्ति के विनाश की बात करते हैं। ये हिंदुस्तान सदियों से शक्ति की उपासना करता है। ये बंगाल मां काली की उपासना करता है।

डीएमके पर भी पीएम मोदी का हमला- इन्होंने हिंदू आतंकवाद के शब्द को गढ़ने की कोशिश की। इनके साथी हिंदुओं की तुलना मलेरिया से करें और ये लोग तालियां बजाएं, ये देश कभी माफ नहीं करेगा। एक सोची-समझी रणनीति के तहत इनको पूरा ईकोसिस्टम हिंदुओं का मजाक उड़ाना, उन्हें नीचा दिखाना, उस सिस्टम ने इसे फैशन बना दिया है।

हमारे देवी-देवताओं का अपमान किया गया- ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है। हमारे देवी-देवताओं का अपमान 140 करोड़ देशवासियों के दिलों को गहरी चोट पहुंचा रहा है। कर लीजिए राजनीतिक स्वार्थ के लिए। ईश्वर के रूपों का इस तरह से खेल। सदन के कल के दृश्यों को देखकर हिंदू समाज को भी सोचना होगा कि अपमान करने वाले ये बयान संयोग हैं या कोई

प्रयोग की तैयारी है। ये हिंदू समाज को सोचना पड़ेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत इनका पूरा इकोसिस्टम हिंदू परंपरा को नीचा दिखाना, अपमानित करना, मजाक उड़ाना ये फैशन बना दिया है।

देश ने हमें दिया आशीर्वाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दिया। हालांकि, पीएम मोदी जैसे ही बोलने के लिए खड़े हुए, विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। शोर-शराबे के बीच मोदी ने अपने संबोधन के शुरूआत में कहा कि मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुआ हूं। मोदी ने आगे कहा कि दुनिया के सबसे बड़े चुनाव अभियान के लिए जनता ने हमें चुना है और मैं कुछ लोगों का दर्द समझ सकता हूं। लगातार झूठ फैलाने के बावजूद उन्हें भारी हार का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कल और आज अनेक सांसदों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त किये, विशेषकर उन सांसदों ने जो पहली बार सांसद के रूप में हमारे बीच आये हैं। उन्होंने संसद के सभी नियमों का पालन किया और उनका व्यवहार एक अनुभवी सांसद की तरह था और पहली बार आने के बावजूद उन्होंने सदन की गरिमा को बढ़ाया और अपने विचारों से इस बहस को और अधिक मूल्यवान बना दिया। उन्होंने कहा कि आज विश्व में भारत का गौरव हो रहा है। दुनिया में साख बढ़ी है। भारत को देखने का गौरवपूर्ण नजरिया भी हर भारतवासी अनुभव कर रहा है।

पेपर लीक पर भी चिंता जताई

नीट को लेकर मचे बवाल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लोकसभा में कहा कि इस मामले में गिरफ्तारियां की जा रही हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति महोदया ने अपने संबोधन में पेपर लीक पर भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मैं भी हर विद्यार्थी को, हर नौजवान को कहूंगा कि सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है। युद्ध स्तर पर हम अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को कत्तई छोड़ा नहीं जाएगा।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं की सुरक्षा के लिए खुलेंगे महिला पिंक थानेः शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी जिला मुख्यालयो में महिला पिंक थाने खुलेंगे। इस संबंध में विभागीय तैयारी की जा रही है। इसके लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय बैठक में महिला पिंक थाने शुरू करने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह थाने महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 258 सड़कों की प्रगति की समीक्षा की। ये सड़कें पिछले 5-6 वर्षों से माओवादी गतिविधियों और सुरक्षा के अभाव में अपूर्ण थीं। उन्होंने इन सड़कों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्व सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपलोड करने और स्वयं का भी एप्लिकेशन बनाने कहा। उन्होंने रीपा में मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित समिति की जांच के बारे में जानकारी ली और स्व सहायता समूहों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को सीजीआईटी के अगले शिक्षण सत्र से प्रारंभ के लिए आवश्यक तैयारी शीघ्र पूरी करने और नोडल अधिकारी की नियुक्ति के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को तेजी पूर्ण कराने के लिए राजमिस्त्रियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड को प्रशिक्षण में शामिल किया जाए। ऐसे आईटीआई जहां मेशन ट्रेनिंग के लिए पद नहीं है, ववहां मेहमान प्रवक्ता से प्रशिक्षण का कार्य करवाया जाए। उन्होंने शासकीय आदर्श आईटीआई कोनी बिलासपुर की मरम्मत पर भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में जनमन योजना के तहत बन रहे प्रधानमंत्री आवास, मानव दिवस सृजन, प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर, महतारी सदन, और तीन हजार से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों में मास्टर प्लान बनाने, हमर छत्तीसगढ़ योजना को पुनः शुरू करने सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने राज्यपाल बैस को पुष्पगुच्छ और शॉल भेंटकर उनका अभिवादन किया

नहीं थम रहा भीड़ तंत्र का कहर, अब मां-बेटे पर हमला; टीएमसी पार्टी का करीबी है फरार आरोपी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भीड़ तंत्र की तरफ से किए जा रहे हमलों में खासी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इस सब के बीच, मंगलवार को भी मॉब लिंचिंग की एक वीडियो क्लिप सामने आई, जिसमें कथित तौर पर उत्तर 24 परगना जिले के अरियादाहा में एक लड़के और उसकी मां पर लोग हमला करते हुए दिख रहे हैं।

वहीं इस मामले में एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात को हुए इस वारदात के सिलसिले में पुलिस ने कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में जो मुख्य आरोपी जो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का करीबी माना जाता है, जो फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले के पीछे की वजह की जांच की जा रही है।

बता दें कि मामले में सामने आए वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा रही है, जिसमें लोगों का एक समूह लड़के और उसकी मां को डंडे से पीटता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस अधिकारी ने मामले में बताया कि वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि कॉलेज के छात्र और एक व्यक्ति के बीच कहासुनी हो रही थी, जो जल्द ही झगड़े में बदल गई। इसके तुरंत बाद, कुछ अन्य लोग भी उस व्यक्ति के साथ शामिल हो गए और बच्चे पर हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने लड़के की मां को भी पीटा है। फिलहाल दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक हफ्ते में मॉब लिंचिंग में चार लोगों की हत्या- जानकारी के मुताबिक ये वारदात उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा में एक टीएमसी नेता की तरफ से एक जोड़े को सार्वजनिक रूप से पीटने का वीडियो वायरल होने के कुछ दिनों बाद हुई, जिससे इलाके में खासा आक्रोश है। हाल ही में, कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में एक हफ्ते के भीतर अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस में आखिरी वारदात 30 जून को हुई थी।

प्रमुख समाचार

सत्संग में भगदड़, 116 की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मंगलवार को एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ में ज्यादातर महिलाओं समेत कम से कम 116 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। यह आंकड़े बढ़ भी सकते हैं। अलीगढ़ की कमिश्नर ने दी है कि जानकारी हाथरस हादसे में 116 की मौत हुई है। जबकि 18 घायलों का इलाज जारी है। यह घटना तब हुई जब एक धार्मिक उपदेशक अपने अनुयायियों को हाथरस जिले के सिकंदरा राऊ क्षेत्र के रति भानपुर गांव में एक विशेष रूप से लगाए गए तंबू में संबोधित कर रहा था। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यक्रम स्थल पर दम घुटने के कारण सत्संग में भाग लेने वाले लोगों को असुविधा हुई। इसके बाद लोग भागने लगे, जिससे भगदड़ मच गयी. पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बहुत गर्मी और उमस थी। हाथरस भगदड़ की घटना पर उत्तर प्रदेश के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि जिन लोगों की जान गई उनके परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मराठा आरक्षण रिपोर्ट के खिलाफ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग आवश्यक पक्ष

मुंबई । बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की सिफारिश को लेकर राज्य सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं में महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एमएसबीसीसी) एक आवश्यक पक्ष है। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय, न्यायमूर्ति जी.एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग आरक्षण अधिनियम, 2024 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की थी। इस अधिनियम के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। कुछ याचिकाओं में न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में एमएसबीसीसी की स्थापना, इसकी कार्यप्रणाली और मराठा के लिए आरक्षण की सिफारिश करने वाली रिपोर्ट को भी चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं में से एक, भाऊसाहेब पवार ने सोमवार को एक अर्जी दाखिल कर आयोग को याचिका में पक्ष बनाने का अनुरोध किया।

आदित्य-एल1 ने पूरा किया पहला चक्कर

नई दिल्ली। देश के पहले सूर्य मिशन आदित्य-एल1 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

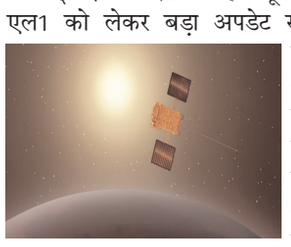

दरअसल आदित्य-एल1 ने मंगलवार को सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु के चारों ओर अपनी पहली हेलो कक्षा पूरी की है। इस मामले में अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को उसके स्टेशन-कीपिंग पैंतरेबाजी ने दूसरे हेलो कक्षा में इसके निर्बाध संक्रमण को सुनिश्चित किया। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि मंगलवार को कक्षा में स्थिर रखने के लिए फेरबदल किया गया ताकि आदित्य-एल1 यान का दूसरी हेलो कक्षा में निर्बाध संक्रमण सुनिश्चित किया जा सके। आदित्य-एल1 मिशन लैग्रेंजियन बिंदु एल1 पर स्थित एक भारतीय सौर वेधशाला है। इसे दो सितंबर 2023 को प्रक्षेपित किया गया और छह जनवरी 2024 को इसे अपनी लक्षित हेलो कक्षा में स्थापित किया गया। इसरो के अनुसार हेलो कक्षा में आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को एल1 बिंदु के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 178 दिन लगते हैं।

राहुल गांधी के हिन्दू वाले बयान का बीजेपी उठायेगी फायदा

लखनऊ। लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए एक बयान को लेकर हंगामें के बीच बसपा प्रमुख मायावती भी इस सियासी जंग में कूद पड़ी है। बसपा सुप्रीमों ने कहा राहुल गांधी जो खुद को हिंदू कहते हैं, वह हिंसा-हिंसा करते हैं। मायावती ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दलों पर जुबानी हमला बोला है। मायावती ने कहा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर ने देश में विभिन्न धर्मों के करोड़ों लोगों के हित, कल्याण, भाईचारा आदि के लिए धर्मनिरपेक्षता के आधार पर संविधान बनाकर सभी धर्मों का सम्मान सुनिश्चित किया, जिसके प्रति सत्ता व विपक्ष दोनों को सदन के भीतर व बाहर गंभीर होने की जरूरत है। बीएसपी सुप्रीमों ने आगे कहा कि किन्तु संसद में मा. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने हिन्दू-हिन्दुत्व को लेकर जो कुछ भी कहा उसका भाजपा-एनडीए फिर से राजनीतिक फायदा उठाने में लग गयी लगती है। कांग्रेस द्वारा इनको ऐसा करने का अवसर प्रदान करना कितना उचित? यह सोचने की बात है।

भाजपा उम्मीदवार आशीष जनता के सेवक नहीं

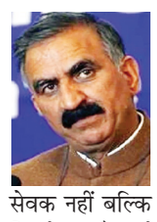

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि हमीरपुर विधानसभा सीट से पूर्व विधायक और अब भाजपा उम्मीदवार आशीष शर्मा जनता के सेवक नहीं बल्कि एक ठेकेदार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में यह पहला मामला है जब निर्दलीय विधायक ने पद से इस्तीफा देकर किसी अन्य राजनीतिक दल के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। शर्मा उन तीन निर्दलीय विधायकों में से एक हैं जिन्होंने उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने के लिए विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। अन्य दो उम्मीदवार देहरा और नालागढ़ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। सुक्खू ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आशीष ने पिछली भाजपा सरकार में 50 करोड़ रुपये जबकि कांग्रेस सरकार के 14 महीने में 135 करोड़ रुपये के ठेके लिये।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि शर्मा एक तरफ विधायक के तौर पर उनसे निविदा मांगते रहे, लेकिन दूसरी तरफ उन्होंने लोगों से कहा कि मुख्यमंत्री काम नहीं कर रहे हैं। शर्मा पर निशाना साधते हुए सुक्खू ने आरोप लगाया, ''पूर्व निर्दलीय विधायक लालची और अहंकारी व्यक्ति हैं।

प्रतिपक्ष का नेता बनने तक राहुल गांधी का राजनीतिक रूपांतरण

प्रभु चावला

एक तस्वीर हजार शब्दों के समान होती है। पिछले दिनों एक तस्वीर आयी, जिसमें विपक्ष के नये नेता राहुल गांधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से हाथ मिला रहे हैं तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू उनके पीछे खड़े हैं। मोदी और राहुल परंपरा के अनुसार बिरला को आसन तक ले गये थे। विपक्ष की पहली कतार में आने में राहुल को दो दशक का समय लगा है। उनके माता-पिता भी प्रतिपक्ष के नेता रहे हैं। कभी ऐसा दौर भी था, जब वे संसद को खास अहमियत नहीं देते थे। मोदी को घेरने में कांग्रेस नाकाम रही क्योंकि राहुल द्वारा नामित नेता प्रभावी नहीं थे। इस बार मोदी का सामना करने के लिए उन्हें आगे रहना होगा। उनके आचरण और प्रदर्शन से राजनीति में उनका कद निर्धारित होगा। कांग्रेस अपने बूते सरकार नहीं बना सकती है। राहुल गांधी को अगले गांधी युग के लिए साजो-सामान का आविष्कार करना होगा। उन्हें अर्जुन के कौशल और शकुनि की चतुराई की आवश्यकता है ताकि वे वैचारिक रूप से भिन्न और महत्वाकांक्षी सहयोगियों को साध सकें।

उनके पक्ष में आयु और सामाजिक स्वीकार्यता है। सामाजिक और आर्थिक रूप से तथा आयु के हिसाब से उनके गठबंधन के सभी नेता अनुकूल हैं। अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, सुप्रिया सुले, कनिमोजी, उमर अब्दुल्ला, अभिषेक बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और आदित्य ठाकरे राहुल के स्वाभाविक सहयोगी हैं। द्रमुक एवं राजद ने उन्हें प्रधानमंत्री के लिए अपनी पसंद बता दिया है। पर सभी को अपने प्रभाव क्षेत्र को बचाना और बढ़ाना है। राहुल के लिए यह अच्छी बात है कि कई राज्यों में कांग्रेस के पास खोने को कुछ खास नहीं है। वे अन्यों के वर्चस्व को स्वीकार कर सकते हैं और कुछ समय के लिए रणनीतिक रूप से पीछे हट सकते हैं। सोनिया गांधी अपने पूर्व आलोचक शरद पवार के साथ नाराजगी दूर कर तथा यूपीए सहयोगियों को अहम, मंत्रालय देकर 2004 में कांग्रेस को सत्ता में लायी थीं। यह एक सबक है। लोकसभा में मोदी के धार को कुंद करना राहुल की बड़ी चुनौती होगी।

राहुल धारदार वक्ता नहीं हैं। उन्हें मोदी की राजनीति, आर्थिक नीति और कूटनीति में कमियां निकालने की कला सीखनी होगी। मोदी ने एक चुनौतीविहीन शासक की तरह राज्य और केंद्र में सरकार चलाया है। अब उन्हें अपने सहयोगियों की मांगों का भी ध्यान रखना होगा। या तो वे उन्हें मानेंगे या गलतियां करेंगे। राहुल सही मौके का फायदा उठा सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें हर क्षण मोदी का सामना करना होगा। उन्हें विशेषज्ञ शोधार्थियों और सलाहकारों की आवश्यकता होगी, जो उन्हें अर्थशास्त्र, राजनीति, सरकार प्रबंधन, रक्षा, विदेश संबंध और पर्यावरण पर राय दे सकें। उन्हें ऐसे लोगों की आवश्यकता होगी,

जो प्रभावी ढंग से नैरेटिव का जवाब दे सकें।

क्या राहुल की विचारधारा नेहरू से मेल खाती है? उनके भाषणों से लगता है कि उन्होंने फेबियन समाजवाद के विचार को अपनाया है। 'दो भारत' की उनकी बात नेहरू से ली गयी है। सम्मोहक नारे, बड़े आंकड़े और अजीब लक्ष्य मोदी की ताकत के हिस्से हैं। चूंकि दोनों हमेशा टकराव की स्थिति में होंगे, इसलिए राहुल को नये कौशल सीखने होंगे। हर गांधी ने अपना नया कांग्रेस बनाया था। नेहरू को ऐसी पार्टी मिली थी, जो उनके लोकप्रिय व्यक्तित्व और महात्मा गांधी के लगाव से अभिभूत थी। इंदिरा ने कांग्रेस विभाजन कर समर्पित समर्थकों की टुकड़ी खड़ी की, जिनमें से कुछ मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री बने। उनमें असुरक्षा का बोध नहीं था क्योंकि वे पार्टी से बड़ी थीं। अब सोनिया ने उसे अपनी संतानों को सौंप दिया है। गांधी परिवार की भारत की खोज त्रासदियों के माध्यम से निरंतरता की रही है। राजीव गांधी का प्रधानमंत्री बनना संजय गांधी और उनकी माता के निधन का परिणाम था। जब बोफोर्स घोटाले का विवाद उठा, तो उनके नजदीकी भाजपा में चले गये, जहां वे मंत्री एवं सांसद बने। विडंबना देखें, उनमें अधिकतर कांग्रेस नेताओं के परिजन थे। अब राहुल को कांग्रेस को एकजुट रखना होगा तथा उसे युद्ध के लिए तैयार करना होगा। भाजपा के दूसरे स्तर के नेता अभी सीखने की प्रक्रिया में हैं, जबकि कई कांग्रेस नेता युवा या अधेड़ हैं और कुछ साठ के दशक के शुरू में हैं। सचिन पायलट, रेवंत रेड्डी, डीके शिवकुमार, गौरव गोगोई, नाना पटोले, दीपेंदर हुड्डा, शशि थरूर, भूपेश बघेल आदि अकेले और साथ मिलकर अपने क्षेत्रों में जीत दिला सकते हैं। जनवरी, 2013 में जयपुर में राहुल ने मीडिया को कहा था- 'कांग्रेस एक मजेदार पार्टी है।

यह दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, पर शायद इसमें एक भी नियम या कायदा नहीं है। हम हर दो मिनट में नये कानून बनाते हैं, फिर उन्हें हटा देते हैं। पार्टी में नियमों के बारे में किसी को पता नहीं।' राहुल को केवल एक नियम का पालन करना चाहिए- खो गये गांधी जादू को पुनः सक्रिय करना। वे अगला प्रधानमंत्री बनने से बस एक कदम दूर हैं। पप्पू से प्रतिपक्ष का नेता बनने का उनका रूपांतरण उनकी दो यात्राओं के कारण विश्वसनीय है। उन्हें याद रखना चाहिए कि गांधी परिवार के, गांधी परिवार द्वारा और गांधी परिवार के लिए कांग्रेस अब आगे नहीं चल सकती। अब तक वह बची रही है, पर यदि उसे आगे बढ़ना है, तो उसे लोगों की कांग्रेस बनना होगा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी प्रधानमंत्री आवास योजना

सरपंच ने अधिकारियों के साथ मिलकर कर दिया खेला

गौरेला पेंड्रा मरवाही। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। पेंड्रा विकासखंड में हितग्राहियों को मिलने वाले पैसे को सरपंच द्वारा अधिकारियों से साथ गांठ कर निकालने का आरोप है। जिसकी वजह से हितग्रहियों का आवास पूर्ण नहीं हो पाया, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में आवास पूर्ण होना बताकर अंतिम किस्त भी निकाल ली गई है। वहीं कुछ हितग्राहियों परेशान होकर पक्के कंक्रीट छत की जगह छप्पर लगाकर रहने का इंतजाम किया है तो दर्जनों हितग्राहियों के साथ यही खेला कर दिया गया है। अब ये बेचारे गांव के भोले भाले ग्रामीण करे तो करे क्या ये अपने कच्चे घरों में रहने को मजबूर है।

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में आदिवासियों के साथ हो रहे भ्रष्टाचार थमने का नाम नही ले रहा है,,,पेंड्रा जनपद पंचायत के बम्हनी गांव में जो मामला सामने आया है वह पूरे सरकारी तंत्र पर सवालिया निशान लगाता है, दरअसल केंद्र सरकार ने गरीबों को पक्के आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपनी महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महत्वाकांक्षी योजना सबसे बड़ा हितग्राही मूलक योजना में गरीब बीपीएल परिवार के हितग्राहियों को पक्का कंक्रीट से बना मकान देने की योजना है जिसे भ्रष्टाचार से बचाने के लिए पूरी फूल प्रूफ प्लान प्लानिंग की गई।

पेंड्रा विकासखंड में इस योजना में बड़ा भ्रष्टाचार किया गया ग्राम पंचायत बम्हनी में गरीब हितग्राहियों के अनपढ़ और सीधे साधे होने का फायदा उठाकर उनके आवास का निर्माण गाव के सरपंच और उसके चहेते ठेकेदारों ने ले लिया, और गरीब अनपढ़ ग्रामीणों के पैसे को हजम कर गए गांव में दर्जनों ऐसे मकान है जो अब तक अधूरे पड़े हैं, हितग्राहियों ने मामले में सीधे गाव के सरपंच और अधिकारियों पर साठ गांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि जब आवास की योजना आई तो अपने आवास निर्माण में हितग्राहियों ने खुद अपने पास से ईट दी मकान की नई खोदने से लेकर दीवाल जोड़ने में भी सहयोग के रूप में श्रम किया जिसका उन्हें भुगतान भी नहीं मिला पर उनका आवास भी पूर्ण नहीं हो पाया।

सरपंच के ठेकेदारों ने आवास बनाने के लिए सिर्फ रेत और सीमेंट ही दिया और हितग्राही के खाते में आने वाले सभी पैसे का आहरण भी कर लिया अब योजना का पूरा पैसा हितग्राहीयो को सरकार द्वारा तो दिया जा चुका है जबकि मौके पर आवास पूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने अलग-अलग स्तर पर मकान के जियो टैगिंग और हितग्राही के साथ फोटो अपलोड करने के बाद ही भुगतान की व्यवस्था की बावजूद पूरे सिस्टम में सेंध लगाते हुए भ्रष्टाचारियो के द्वारा किसी दूसरे पूर्ण मकान की फोटो हितग्राही के साथ अपलोड करवा दी जबकि मौके पर मकान आज भी आधा अधूरा पड़ा है कुछ हितग्राहियों ने तो परेशान होकर अपने मकान में छप्पर लगा लिया जबकि योजना के अनुसार मकान की छत पक्के कंक्रीट से निर्मित होना था।

प्रधानमंत्री आवास योजना के यह अभी मकान छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन के पूर्व स्वीकृत हुए थे मतलब हर एक आवास कम से कम 5 साल पुराना है आश्चर्य की बात यह है कि पिछले 5 सालों से इन गरीब आदिवासियों के अधूरे आवास पर स्थानीय प्रशासन की नजर क्यों नहीं गई ? जबकि शासन के द्वारा योजना का पूरा पैसा दिया जा चुका है हालांकि अब पूरे मामले पर जिला पंचायत के प्रोजेक्ट डायरेक्टर का कहना है कि इस मामले में सरपंच सहित कई लोगों को नोटिस जारी की गई है कोशिश यह की जाएगी कि शीघ्र ही ग्रामीणों के आवास पूरा हो और हितग्राहियों को शासन द्वारा दी जा रही सुविधा का फायदा मिल सके।

हितग्राही के अपूर्ण प्रधानमंत्री आवास को पूर्ण बताने के लिए फर्जी कूट रचित दस्तावेज शासकीय कार्यालय में जमा कर हितग्राही का पैसा आहरित कर हजम करना न सिर्फ भ्रष्टाचार है बल्कि बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध भी नजर आता है देखना यह होगा कि मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक अधिकारी अब इस मामले में दोषियों पर क्या कार्रवाई करता है।

सिलेंडरों से भरा ट्रक पलटा, सड़क पर बिखरे गैस सिलेंडर

बिलासपुर। न्यायधानी में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सिलेंडरों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन पलटते ही सड़क पर भरे सिलेंडर बिखर गए। हादसे में ट्रक ड्राइवर को मामूली चोट आई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्थित करने में जुट गई। बताया जा रहा है कि रायपुर से बिलासपुर गैस गोदाम जा रहा सिलेंडर से भरा ट्रक सिविल लाइन थाना क्षेत्र के जेपी वर्मा कॉलेज के सामने पलट गया। यह घटना सुबह करीब 5 बजे की है। जैसे ही ट्रक कॉलेज के पास पहुंचा, अचानक डिवाइडर से टकराकर पलट गया और भरे हुए सिलेंडर बाहर फेंका गए। लेकिन अच्छी बात यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और क्रेन की मदद से गाड़ी को हटाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विवि का 6वां दीक्षांत समारोह 6 को

बिलासपुर। पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय का छठवां दीक्षांत समारोह 6 जुलाई को होगा। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल एवं कुलाधिपति विश्वभूषण हरिचंदन होंगे। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरूण साव समेत जिले के विधायकगण शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह वक्ता सुरेश (भैया जी) जोशी होंगे।

इस समारोह में सत्र जनवरी-दिसंबर 2020, सत्र जुलाई-जून 2021, सत्र जनवरी-दिसंबर 2021, सत्र जुलाई जून 2022, सत्र जनवरी- दिसंबर 2022, सत्र जुलाई- जून 2023 के विभिन्न संकायों में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कुल 98 विद्यार्थियों को 159 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे, जिनमें 13 दानदाताओं द्वारा प्रदत्त स्मृति स्वर्ण पदक भी शामिल है। एक विद्यार्थी डेमेश्वरी भारद्वाज को वर्ष 2021 के लिए 04 गोल्ड मेडल और इनमें 15 विद्यार्थियों को 03-03 गोल्ड मेडल, 27 विद्यार्थियों को 02-02 गोल्ड मेडल शेष को 01-01 गोल्ड मेडल प्रदान किया जायेगा। इसके साथ ही 02 मानद एवं 14 पी-एचडी (विद्या वाचस्पति) उपाधि कुल 16 उपाधि भी दिये जाएंगे।

विश्वविद्यालय के परीक्षा सत्र जनवरी-दिसंबर 2020 में 2,635 विद्यार्थी सत्र जुलाई-जून 2021 में 13,226 विद्यार्थी, सत्र जनवरी-दिसंबर 2021 में 3,290 विद्यार्थी, सत्र जुलाई- जून 2022 में 24,950 विद्यार्थी, सत्र जनवरी-दिसंबर 2022 में 4,622 विद्यार्थी, सत्र जुलाई- जून 2023 में 10,306 विद्यार्थी कुल 59,029 विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी पत्रोपाधि, डिप्लोमा पत्रोपाधि और सार्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण किए हैं।

दंतैल हाथी का उत्पात, घरों को किया क्षतिग्रस्त

धान-चावल किए चट, ग्रामीणों में दहशत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक दंतैल हाथी के उत्पात मचाने का वीडियो सामने आया है। इसी हाथी ने दो दिन पहले भी इसी गांव के दो ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ की थी। साथ ही साथ पांच किसानों की फसलों को रौंद डाला थआ। मंगलवार की सुबह गांव में हाथी के आमद से मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ वन मंडल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बंगुरसिया-जुनवानी इलाके में बीते कुछ दिनों से 15 से अधिक की संख्या में हाथी जंगलों में विचरण कर रहे हैं। इन हाथियों के द्वारा क्षेत्र में लगातार लोगों के घरों के अलावा फसलों को नुकसान पहुंचाए जाने की जानकारी अक्सर सामने आते रही है।

मंगलवार की सुबह पांच बजे जुनवानी गांव के ग्रामीण अपने-अपने कार्य में व्यस्त थे। इसी बीच जंगल से चिंघाड़ते हुए एक दंतैल हाथी ने गांव में दस्तक दी। सुबह-सुबह हाथी को अचानक गांव में देखते ही अफरा-तफरी की स्थित बन गई। इस हाथी ने एक मकान को तोड़ते हुए धान और चावल को चट कर दिया। साथी ही साथ तुलसी चवंरा के अलावा करुणासागर मालाकार के फसल को भी हाथी ने नुकसान पहुंचाया है।

बताया जा रहा है कि जिस हाथी ने जुनवानी गांव निवासी पंचराम उरांव के घर को तोड़फोड़ की है। दो दिन पहले भी पंचराम के घर के एक हिस्से को तोड़ डाला था। परंतु उस समय हाथी को यहां खाने को कुछ नहीं मिला था। लेकिन आज हाथी ने इसी घर के दूसरे हिस्से को तोड़ा है। जहां धान और चावल दोनों थे।

गांव के ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले कई बार हाथी ने रात में ही गांव में आकर उत्पात मचाते हुए घरों और फसलों को नुकसान पहुंचाया था। लेकिन मंगलवार की सुबह हाथी के गांव में आ जाने से गांव में दहशत का माहौल बन गया था। गांव के ग्रामीण वन विभाग की टीम के साथ मिलकर हाथी को वापस जंगल में खदेड़ डाला।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं विधायक उदेश्वरी पैकरा

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज जिला चिकित्सालय में छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम विधायक उधेश्वरी पैकरा, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, डीएफओ अशोक तिवारी, रेंजर निखिल सक्सेना की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस दौरान जिला चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण कर वृक्ष को बचाने का भी संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम कराए जाते हैं उसी कड़ी में आज वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कराया गया जिसमें मुझे सम्मिलित होने का अवसर मिला। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील लोगों से की। भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने कहा कि हम सबको वृक्ष को लगाने के साथ-साथ वृक्ष के रक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए।

डीएफओ अशोक तिवारी ने कहा की पर्यावरण रक्षा के लिए हम सबको अब जागरूक होने की आवश्यकता है। हम सबके जागरूकता से ही पर्यावरण बचेगा। छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी के आकाश तिवारी ने कहा कि जिला चिकित्सालय में पूर्व में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था वही यह दूसरी बार वृक्षारोपण का कार्यक्रम यहां आयोजित हो रहा है समिति के सदस्य अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण का कार्य कर रहे है। इस दौरान सीएमएचओ डॉ बसंत सिंह, सिविल सर्जन डॉ रामेश्वर शर्मा, सीएमओ प्रणय राय, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप सोनी, रजनी सोनी,मंगलम पांडे, उमेश कुशवाहा, वीरेंद्र यादव उपस्थित रहे।

भिलाई गोलीकांड के आरोपी अंकुर के घर चला बुलडोजर

भिलाई। भिलाई गोलीकांड के सह आरोपी अंकुर शर्मा के घर पुलिस प्रशासन ने बुलडोजर चलाया है। भिलाई नगर पुलिस और बीएसपी की अतिक्रमण शाखा टीम ने ये कार्रवाई की है। अंकुर शर्मा सेक्टर -6 एवेंयू ए स्थित बीएसपी के 12 क्वॉर्टर्स पर कब्जा कर किराए पर लगाकर अवैध वसूली कर रहा था। भिलाई नगर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया-अवैध अतिक्रमणकारियों पर बीएसपी ने सेक्टर 6 पर बुलडोजर कार्रवाई की है। 12 अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई चल रही है। इनमें भिलाई गोलीकांड का आरोपी अंकुर शर्मा और उसका भाई अर्पित शर्मा भी शामिल है। जो भी टाउनशिप में अवैध अतिक्रमण और अवैध गतिविधि में शामिल रहेगा, उन पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य आरोपी अमित जोश की गिरफ्तारी जल्द हो जाएगी। अंकुर शर्मा, भिलाई गोलीकांड का मुख्य आरोपी अमित जोश का पार्टनर है। ग्लोब चौक में हुए गोलीकांड में अंकुर शर्मा भी शामिल था। पुलिस ने घटना के दूसरे दिन अंकुर को गिरफ्तार किया। अंकुर शर्मा के खिलाफ भी कई मामलों में अपराध दर्ज है। अंकुर शर्मा भी सेक्टर 6 के एवन्यू ए क्वॉर्टर्स में कब्जा कर रह रहा था। भिलाई गोलीकांड के मुख्य आरोपी अमित जोश के घर पुलिस प्रशासन और बीएसपी की अतिक्रमण शाखा ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलवाया था। अमित जोश सेक्टर 6 सड़क नंबर 31 में बीएसपी के 18 क्वॉर्टर्स पर अवैध कब्जा कर उसे किराए पर दे रखा था।इसी दिन शाम को सेक्टर 5 में अमित की बहन के घर पर भी छापेमारी की गई थी। जहां से पुलिस को लोडेड पिस्टल, चाकू और गोलियां मिली थीं। आरोपी अमित के खिलाफ एक ही थाने में 24 मामले दर्ज हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

दोषियों पर कार्रवाई नहीं करने पर थाना प्रभारी लाइन अटैच

राजनांदगांव। अपने ही मातहत एक आरक्षक के साथ कथित मारपीट के मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के आरोप में आईजी दीपक झा ने खैरागढ़ के थाना प्रभारी अनिल शर्मा को लाईन अटैच कर दिया है। टीआई शर्मा को ऐसे वक्त में लाईन अटैच किया गया, जब समूचे रेंज में नए कानून उत्सव मनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि खैरागढ़ में पदस्थ आरक्षक प्रकाश मोहिले का खैरागढ़ के कुछ युवाओं के साथ विवाद हुआ था। आरक्षक पर युवाओं ने हाथ भी छोड़ दिया । इस मामले को लेकर आरक्षक ने थाना प्रभारी को जानकारी दी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। टीआई शर्मा ने मामले को दबाने के लिए आरक्षक पर आरोपियों का स्थानीय होने का हवाला देकर समझौता करने की सलाह दी गई। आरक्षक अपने साथ हुए मारपीट से आहत था। उन्होंने कार्रवाई नहीं करने पर आगे शिकायत करने की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि आईजी के अलावा यह मामला अन्य शीर्ष नेताओं तक चला गया। बताया जा रहा है कि टीआई लगातार समझौता कराने के प्रयास में थे।

कलेक्टर की कार्यवाही से मिली दिव्यांग को स्मार्ट श्वेत छड़ी

धमतरी। जिले के आमजनों की समस्याओं, मांग, शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी निरंतर प्रयास करतीं आ रहीं हैं। ऐसे ही एक आवेदन धमतरी विकासखण्ड के ग्राम रांवा की शत-प्रतिशत दृष्टिबाधित दिव्यांग श्रीमती हेमबाई साहू ने बीते दिन जनदर्शन में प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर सुश्री गांधी ने आवेदिका को तत्काल स्मार्ट श्वेत छड़ी प्रदाय करने के निर्देश समाज कल्याण विभाग को दिए। समाज कल्याण की ओर से कलेक्टर द्वारा आवेदिका को अपने हाथों श्वेत छड़ी प्रदाय किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वे दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने पहल करें।

75 घंटे स्केटिंग करके आर्यव पाण्डेय ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

सरगुजा। सरगुजा के लाल ने एक बार फिर कमाल किया है। 75 घंटे लगातार स्केटिंग करने वाली टीम का हिस्सा सरगुजा का लाल आर्यव पाण्डेय भी था। 11 साल के आर्यव ने 75 घंटे स्केटिंग करके प्रदेश समेत शहर का मान बढ़ाया है। आर्यव के पिता एएसआई अभिषेक पांडेय अम्बिकापुर बस स्टैंड पुलिस सहायता केंद्र के प्रभारी हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए प्रतियोगिता 26 मई से 31 मई तक कर्नाटक के बेलगाम में शिव गंगा स्केटिंग क्लब में आयोजित की गई थी। गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में सरगुजा के आर्यव पाण्डेय ने भी हिस्सा लिया। भारत के सभी राज्यों से आए 150 बच्चों ने लगातार 75 घंटे स्केटिंग करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। जिसमें छत्तीसगढ़ से 6 बच्चों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के बाद सभी को प्रमाण पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में 11 वर्षीय आर्यव पाण्डेय सहित देशभर के 150 बच्चे शामिल हुए थे।

तेंदुआ को पेड़ पर बैठा देख लोगों में मचा हड़कंप

भानुप्रतापपुर। कांकेर जिल के भानुप्रतापपुर बस स्टैंड के पास आज सुबह एक तेंदुआ दिखने से लोगों में हड़कंप मच गया है। तेंदुआ एक घर के आम पेड़ पर घंटों से बैठा हुआ है। शहर में तेंदुए के आने की खबर से इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। इसकी सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। वहीं आसपास के लोगों को घरों के अंदर रहने की हिदायत दी जा रही है। पेड़ पर बैठे तेंदुए का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि तेंदुआ कितने आराम से बैठा हुआ है। बता दें कि भानुप्रतापपुर जंगलों से घिरा हुआ है।ऐसे में जनगली जानवरों का शहर में आना आम बात है। कई बार शहरी क्षेत्र में भालू में घूमते पाए गए हैं। लेकिन पहली बार ऐसा है कि शहर के बीचों बीच तेंदुआ पहुंचा है।

बारिश आते ही बढ़ा डायरिया का प्रकोप

बिलासपुर। सकरी के अटल आवास में डायरिया का प्रकोप फैल गया है। यहां रहने वाले करीब 50 से अधिक लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं। इलाके में साफ-सफाई का अभाव और गंदा पानी पीने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। इसकी सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम कैंप लगाकर मरीजों का इलाज कर रही है। बारिश आते ही डायरिया पैर पसारने लगा है और नलों से आ रहे गंदा पानी पीने से लोगों की तबियत बिगड़ रही है। सकरी क्षेत्र के 50 से अधिक लोग डायरिया के चपेट में आ चुके हैं। एक ही परिवार के 3 से 4 लोगों को उल्टी और दस्त की समस्या रही है, लेकिन बच्चों की हालत ज्यादा खराब हो रही है। लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ने की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य महकमा हरकत में आ गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी लोगों को दवा वितरण किया गया है। साथ ही कुछ लोगों को अस्पताल भी भेजा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र का सर्वे किया है और घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर दवा का वितरण किया गया।

कोरबा में बारिश से घरों में भरा पानी, निचली बस्तियां जलमग्न

कोरबा। पहली ही बारिश ने कोरबा नगर निगम की मानसून की तैयारी की पोल खोल दी है। हर साल की तरह वार्ड न। 12 चिमनीभट्ठा में लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया है। नालियों में भरा कचरा और सीवर की गंदगी लोगों के घरों तक पहुंच गई। घरों में बारिश का पानी घुसने से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

शनिवार रविवार देर रात हुई भारी बारिश के बाद लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। जिससे वार्ड नंबर 12 चिमनीभट्ठा में जलभराव हो गया। यही हाल नेशनल हाईवे बनने बाद कटघोरा के समीप बेलतरा के निवासियों का हुआ है। सड़क की ऊंचाई बढ़ने के साथ जल निकासी कोई प्रबंध होने से बरसात का पानी लोगों के घर तक पहुंच गया है। भारी बारिश से मुड़ापार रिंग रोड में मारुति शो रूम की वर्कशाप के यार्ड में भी पानी भर गया। यार्ड में रखे सभी सोल्ड गाड़ियों को कर्मचारियों ने बाहर निकला और नगर निगम को सूचना दी। निगमकर्मी पानी निकासी की व्यवस्था में लगे रहे।

मुड़ापार निवासी मंगली शर्मा के घर में पानी घुस गया था। मंगल ने बताया कि परिवार और छोटे बच्चों को लेकर रतजगा करना पड़ा। जबकि एल। मंगली ने बताया कि हर साल की यही समस्या है। क्षेत्र की महिलाओं का कहना है कि वार्ड पार्षद से लेकर निगम के अफसरों को समस्या के बारे में कई बार बताया गया लेकिन हर साल में बारिश में उनकी परेशानी कम नहीं हुई।

एक जून से अब तक जिले में 1776.10 मिली मीटर बारिश हो चुकी है। बीते वर्ष की तुलना में यह 239.12 मिलीमीटर ज्यादा है। तहसील में हुई बारिश का आंकलन किया जाए तो अब तक सर्वाधिक 222.4 मिली मीटर दर्री तहसील में हुई है। वहीं सबसे कम 60 मिली मीटर वर्षा अजगरबहार तहसील में दर्ज किया गया है। अब तक हुई बारिश को कृषि कार्य के अनुकूल माना जा रहा है। कृषि विभाग ने किसानों को जल संरक्षण के लिए सतर्क किया है। मानसून की सक्रियता के साथ सहकारी दुकानों में खाद व बीज की मांग बढ़ गई है।

कोरबा में एनटीपीसी ने खुद तोड़ा राखड़ बांध, सामने आई वजह

■ **अधिकारियों को सता रहा था ये बड़ा डर**

कोरबा। पिछले चार दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जिले के तरबदर कर दिया है। कई बस्तियों में पानी घुस गया है। वहीं कई नाली और नाले उफान पर हैं। लगातार बारिश का खामियाजा एनटीपीसी प्रबंधन को भी झेलना पड़ा। जहां लगातार हो रही बारिश के कारण एनटीपीसी स्थित धनरास राखड़ डेम को प्रबंधन को खुद तोड़ना पड़ा।

जिसके चलते प्रबंधन को परेशानी तो उठानी पड़ी। इसके अलावा आसपास रह वासियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राखड़ डेम तोड़े जाने के बाद आसपास में कई खेतों में रखायुक्त पानी घुस गया है। जिसके चलते ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

बताया जा रहा है कि पिछले चार दिनों से हो रही रुक-रुककर बारिश के कारण राखड़ डेम भर गया था। अगर डेम को नहीं तोड़ा जाता तो डेम टूट भी सकता था। जिसके बाद एनटीपीसी प्रबंधन को बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता था। इसलिए उसे मजबूरन तोड़ना पड़ा। देर रात घटी इस घटना के बाद इलाके में हड़कप मच गया। ग्रामीणों को जब इस बात की जानकारी हुई तब वह मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि डेम के आसपास के 40 एकड़ खेत में राखड़ बह गया है और किसान परेशान है। किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। एनटीपीसी के जनसंपर्क अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि एनटीपीसी कोरबा का धनरास राखड़ तटबंध पूरी तरह सुरक्षित है। तटबंध उचित रखरखाव के साथ कार्यशील है। धनरास राखड़ तटबंध की ऊंचाई बढ़ाने हेतु अनुमति छत्तीसगढ़ पर्यावरण प्रबंधन मण्डल के द्वारा पहले ही ली जा चुकी है। सभी कार्य उस अनुमति एवं मानकों के आधार पर ही किए जाते रहे हैं।

राखड़ बांध की पेट्रोलिंग का कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। भारी वर्षा के बावजूद तत्काल उचित कार्रवाई करके क्षति पर रोका गया। अत्यधिक वर्षा से उत्पन आपातकाल की स्थिति में बांध को क्षति से बचाने के लिए पानी को बाहर निकालना पड़ा। जिसका कुछ हिस्सा नीचे मौजूद ग्रामीणों के खेतों में बह गया।

एनटीपीसी के अधिकारी प्रतिदिन रखड़ तटबंध में मौजूद रहते हैं। उपरोकत वर्णित घटना के समय भी राखड़ बांध में एनटीपीसी के सभी 6 अधिकारी उपलब्ध एवं कार्यरत थे। एनटीपीसी प्रबंधन बांध के चारों तरफ रहने वाले परियोजना प्रभावित परिवारों के सभी हितों की रक्षा के लिए सतत प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

जगदलपुर। सांसद राहुल गांधी द्वारा संसद में

हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाते हुए दिए गए विवादित बयान के विरुद्ध में मंगलवार को जगदलपुर के गोल बाजार चौक में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा पुतला दहन किया गया जिसमे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयान की जितनी निंदा की जाए,उतनी कम है, उन्होंने जानबूझ के हिंदू समाज की भावनाओं को आहत किया है। हिंदू हिंसक है ये बयान भारत की आत्मा पर वार है।

राज्यपाल हरिचंदन को रथ यात्रा के लिए दिया गया आमंत्रण

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से

मंगलवार को राजभवन में रायपुर उत्तर क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा के नेतृत्व में जगन्नाथ सेवा समिति के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। समिति ने प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गायत्री नगर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आयोजित रथ यात्रा महोत्सव हेतु राज्यपाल को आमंत्रण दिया। परंपरा के अनुसार राज्य के प्रथम सेवक होने के नाते श्री हरिचंदन जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर छेरापहरा की रस्म अदा करते हैं।

रायपुर के डेरी में खाद्य विभाग ने मारा छापा, मिली 50 किलो सड़ी मलाई

रायपुर। खाद्य विभाग ने राजधानी रायपुर अवंती बाई चौक स्थित रामा डेरी में छापा मारा। यहां से टीम को करीब 50 किलो सड़ी हुई मलाई मिली, जिसे नष्ट करवाया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पिछले कई दिनों से विभाग को सूचना मिल रही थी कि राजधानी रायपुर के कई डेरियों में अनहाईजेनिक तरीके से दूध-दही बेचा जा रहा है। जिसके बाद आज टीम औचक निरीक्षण करने निकली और टीम अवंती बाई चौक के रामा डेरी पहुंची। यहां जंग लगी हुई ट्रे में मलाई रखी हुई मिली। अधिकारियों ने जब दुकान के अंदर रखे डीप फ्रिजर खुलवाया तो गंध से अधिकारी खुद परेशान हो गए, क्योंकि फ्रीज के अंदर कई दिनों से रखा हुआ क्रिम मौजूद था जो पूरी तरह से सड़ गया था और उसका रंग सफेद से मठमैला हो गया था। खाद्य विभाग की टीम ने इस सड़े क्रीम को नष्ट करने की कार्रवाई की और दुकान में मौजूद दूध-दही और क्रीम के सैंपल भी जब्त किए। अधिकारियों के मुताबिक राजधानी के विभिन्न डेरी में ये कार्रवाई जारी रहेगी।

राजधानी में बढ़ते अपराध पर कन्हैया अग्रवाल ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। राजधानी में लगातार घटित हो रही घटनाओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह को ज्ञापन देकर शहर में कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरा हो जिस दिन लूट, चाकूबाजी, नशा, सट्टा के मामले सामने ना आए हों । अपराधी बैकअप होकर शहर के हर हिस्से में चैन लूट रहे हैं ,चाकू मार रहे हैं, हत्या कर रहे हैं जिससे शहर की जनता में डर और आक्रोश है। उन्होंने कहा कि भाठागांव में बस्तर से आए छात्र की बेदर्दी से हत्या की खबरों की स्याही सुखी भी नहीं थी शैलेंद्र नगर में कारोबारी के घर घुसकर हमले का मामला सामने आ गया । हर दिन मीडिया में चोरी, लूट , नकबजनी,हत्या का प्रयास, हत्या, बलात्कार की खबरें शहर की जनता को झकझोर रही है। ऐसा प्रतीत होता है अपराधियों को संगठित रूप से संरक्षण दिया जा रहा है जिसके कारण बेखौफ हो गए हैं । पुलिस का व्यवहार नागरिकों के साथ मित्र की तरह होना चाहिए पर हो इसका उल्टा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह ने विश्वास दिलाया कि अपराध की जड़ नशे के खिलाफ कार्रवाई के साथ अब अड्डेबाजों से सख्ती से निपटने कार्रवाई की जाएगी, किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। ज्ञापन देने गए प्रतिनिधि मंडल में कन्हैया अग्रवाल, सुरेश बाफना, संतोष बाघमार, शरद गुप्ता, मुकुंद कागदेलवार, मनोज पाल, पिंटू बैद, राजेश त्रिवेदी, नागेंद्र वोरा शामिल थे।

4 उपनिरीक्षक सहित 14 पुलिस कर्मी रेंज सायबर थाने में संलग्न

रायपुर। रायपुर रेंज के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक अमरेश कुमार मिश्रा ने चार उपनिरीक्षक, तीन सब उपनिरीक्षक, एक प्रधान आरक्षक और 6 आरक्षकों को अस्थायी रूप से रेंज सायबर थाना रायपुर में संलग्न किया है। जारी आदेश के मुताबिक उप निरीक्षक रूपेश देवांगन जिला गरियाबन्द, उप निरीक्षक महेश साहू जिला गरियाबन्द, उप निरीक्षक रविन्द्र ध्रुव जिला महासमुन्द, उप निरीक्षक हेमंत डहरिया जिला बलौदाबाजार, सउनि प्रवीण शुक्ला जिला महासमुन्द, सउनि अनिल यदु जिला धमतरी, सउनि राकेश मिश्रा जिला धमतरी, प्रआर. 244 प्रशांत शुक्ला जिला धमतरी, आर.730 त्रिनाथ प्रधान जिला महासमुन्द, आर.301 पीयूष शर्मा जिला महासमुन्द, आर.328 युगल पटेल जिला महासमुन्द, आर.701 पंकज प्रधान जिला धमतरी, आर. 429 नितिश राज वर्मा जिला धमतरी तथा आर.328 विरेन्द्र सोनकर जिला धमतरी शामिल है।

राहुल के बयान से देश के 110 करोड़ हिंदूओं की भावना आहत : साव

न केवल हिंदुओं का घोर अपमान किया, बल्कि हिंसक, नफरती और झूठा बताया

रायपुर। राहुल गांधी के संसद में सोमवार को दिए गए बयान पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उनके अशोभनीय बयान से देश के 110 करोड़ हिंदूओं की भावनाएं आहत हुई है। उन्होने कहा कि राहुल गाँधी का नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहला ही भाषण झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों से भरा हुआ था। इतना ही नहीं, उनका अपने भाषण के दौरान आचरण भी संसदीय गरिमा के अनुरूप बिलकुल भी नहीं था। लोक सभा में चर्चा राष्ट्रपति जी के अभिभाषण की हो रही थी लेकिन राहुल गाँधी ने उस बाबत औपचारिकतावश भी एक शब्द नहीं बोला। सदन में राहुल गाँधी ने केवल और केवल झूठ बोला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को राहुल गांधी का ज्ञानवर्धन करना चाहिए और समझाना चाहिए कि भारत की संसदीय गरिमा को कम न करें।

साव ने कहा कि राहुल गाँधी ने अपने भाषण में न केवल हिंदुओं का

घोर अपमान किया, न केवल हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताया बल्कि अग्निवीर, किसान, अयोध्या, माइक - सब पर झूठ और केवल झूठ बोला। राहुल गाँधी को अविलंब हिंदुओं का अपमान करने के लिए और सदन में झूठा बयानबाजी करने के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।संसद में राहुल गांधी ने सम्पूर्ण हिंदू समाज को हिंसक और असत्यवादी बताकर, हिंदू समाज का घोर अपमान किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। ये कांग्रेस की पुरानी आदत है। कांग्रेस ने यह भी पहली बार नहीं किया है।अब कांग्रेस और उनका गैंग राहुल गाँधी को सही ठहराने के लिए कई बहाने बनायेंगे कि लेकिन सदन में राहुल गाँधी ने स्पष्ट कहा है कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य की बात करते हैं। हिंदुओं को हिंसक और असत्यवादी बताना, संसद की बहस के दौरान ईश्वर के चित्रों को सामने रखना और राजनीति को इससे जोडना एक नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता।संसद में जिस तरह से भगवान शंकर के चित्र को दिखाया जा रहा था, वह बेहद ही आपत्तिजनक था। इसपर लोकसभा अध्यक्ष ने भी कहा था कि जिनको हम पूजते हैं, उनके ऐसे चित्र यहाँ प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने स्पीकर को माइक बंद करने, सांसदों को बर्खास्त करने बात करते हैं जबकि जिसे आसन से बोलने को कहा जाता है, उसका माइक कभी बंद नहीं होता।आसन पर सभी दलों के सांसद समयानुसार बैठते हैं, कभी भी इस तरह से नहीं किया गया कि माइक बंद किया जाता है। वैसे भी आसन के पास माइक को बंद करने या ओपन करने का कोई स्विच नहीं होता। अयोध्या में मुआवजे पर भी भ्रामक बातें की। राहुल गाँधी ने कहा कि अयोध्या में लोगों की जमीनें ली गई लेकिन मुआवजा नहीं दिया गया जबकि सच्चाई कुछ और है।कांग्रेस का चरित्र देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का रहा है। पत्रकार वार्ता मे प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल मौजूद रहे।

राहुल के बचाव में आगे आए भूपेश बघेल

रायपुर। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हिंदुत्व वाले भाषण पर छत्तीसगढ़ में राजनीति तेज हो गई है। राहुल गांधी के भाषण पर भाजपा के हंगामे पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राहुल गांधी के बचाव में आगे आ गए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, सत्ता पक्ष 10 वर्षों से डरा रहे हैं। आप भाजपा के नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि आप हिंसा और भय का वातावरण पूरे देश में बनाकर रखे हैं। जिन्होंने राहुल का भाषण सुना है। उसका यथार्थ यह था कि जो हिंसा के मार्ग पर चलते हैं वह हिंदू नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस कभी हिंदू समाज का विरोधी रहा नहीं है। हिंदू मतलब भाजपा नहीं है। लोकसभा में संतोष पांडेय के महादेव सट्टा एप के जिक्र व संलिप्तता पर भूपेश बघेल ने कहा, छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है, पकड़ क्यों नहीं रही है। गुमनाम पत्र पर बघेल ने कहा, ऐसे कई गुमनाम पत्र आते रहते हैं।

राजीव युवा मितान क्लब की शेष राशि अविलंब ट्रेजरी में जमा करने के निर्देश

- 5 जुलाई को चलाया जाएगा पौधरोपण अभियान

रायपुर। राजीव युवा मितान क्लब खातों में जमा राशि शासन के खजाने में उसको तत्काल शासन के खजाने में हस्तांतरित करवाया जाएं साथ ही पूर्व में उपयोग किए गए राशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करवाएं। सभी एसडीएम इस विषय पर ठोस कदम उठाएं और प्रतिवेदन प्रदान करें। यह बातें कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कहीं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि आगामी 5 जुलाई को जिले के प्रत्येक शासकीय परिसर, भवन, कार्यालयों में पौधरोपण का अभियान चलाया जाएगा। अस्पताल, स्कूल परिसर में जहां पर जगह हो वहां पर बड़े पौधे रोपित किया जाए ताकि उनकी ग्रोथ जल्दी हो। कलेक्टर

ने कहा कि 01 जुलाई से नई भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में सभी अधिकारी-कर्मचारी नई संहिता के बारे में जानकारी हासिल करें और जागरूक करें।

डॉ. सिंह ने कहा कि सड़को पर ट्रांसफॉर्मर या बिजली खम्बे में लगे पैनल बॉक्स के दरवाजे खुले हुए हैं उसको बंद करें और जिसके पैनल नहीं है उसके लिए चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायें। इससे आमजनों को नुकसान पहुंच सकता है। अत- प्राथमिकता से इस कामों को विद्युत विभाग पूर्ण करें। सड़कों के किनारे पुराने वाहन दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल नगर निगम को और ट्रैफिक पुलिस को दे।

कलेक्टर ने कहा कि सड़कों पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई की जाए। लंबे समय से सड़कों पर रखी गाडियों को हटाने की कार्रवाई की जाए। इससे सड़कों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा और दुर्घटना की आशंका भी कम हो जाएगी। समस्त शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्यता सुनिश्चित करें। जहां पर कोई बोर अनुपयोगी हो, उस ओर छत में आने वाले और अन्य जगह एकत्र होने वाले बारिश के पानी तथा को भी सुरक्षित करते हुए डाईवर्ट करें। हॉस्पिटल, आंगनबाड़ी, स्कूल समेत अन्य शासकीय कार्यालयों में बारिश के पानी को सहेजने के लिए उपाय अपनाये ताकि यह पानी व्यर्थ ना जाए और जल स्तर भी बने रहे। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप सहित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

धुंआ मुक्त होगा आंगनबाड़ी केंद्र, पौष्टिक खाना गैस-चूल्हे में होगा तैयार

सखी सेंटर में त्वरित होगा प्रकरणों का निराकरण

रायपुर। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को धुंआ मुक्त बनाया जाएगा। अब सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में गैस-चूल्हे पर ही पौष्टिक युक्त खाना तैयार किया जाएगा। जिन केंद्रों में गैस-चूल्हा एवम सिलेंडर नहीं है, वहां पर इसे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। साथ ही आंगनबाड़ी भवनों का मरम्मत, पानी की सुविधा और विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदो की समय-सीमा में पूर्ति के लिए परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने महिला सशक्तिकरण व बच्चों के संरक्षण सखी वन स्टॉप सेन्टर व चाईल्ड लाईन 1098 के व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ ही प्राप्त नये प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा जिले में कुपोषण, बौनापन, दुर्बलता में सुधार करने तथा जिन ग्राम पंचायतों/वार्डो में कुपोषण का प्रतिशत अधिक है, उनका चिन्हांकन करते हुए

विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्यक्रम चलाये जाए। साथ ही पोषण ट्रैकर एप की नियमित समीक्षा कर सभी संकेतकों में उच्चतम स्तर बनाये रखने के लिए आवश्यक प्रयास करने और इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने पोषण ट्रैकर एप के सभी फिल्ड में सही प्रविष्ठि करने एवं उच्चतम स्तर बनाये रखते हुए नियमित समीक्षा के निर्देश दिये गये है। सुकन्या समृद्धि योजना में अधिक से अधिक संख्या में खाते खुलवाये जाने के लिए कैम्प लगाने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसमें प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा सुकन्या समृद्धि योजना की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के लंबित प्रकरणों तथा गत वर्षों के लंबित भुगतानों पर आवश्यक समीक्षा कर तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु उच्च कार्यालय को पत्राचार किया जाए। महतारी वंदन योजना अंतर्गत निर्धारित तिथि पश्चात अपलोड हेतु शेष आवेदनो की जानकारी एकत्र कर उच्च कार्यालय को प्रेषित की जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती निशा मिश्रा समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पंचायतों-स्कूलों की लाइब्रेरी में रखे जाएंगे बच्चों के लिए पुरानी स्कूली किताबें

रायपुर। जिले के स्कूली बालिकाओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत जल्द ही साइकिल उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे बालिकाओं को घर से स्कूल आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी। यह बात कलेक्टर डॉ.गौरव कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि पंचायत व स्कूलों की लाइब्रेरी में पुरानी ऐसी किताबें रखी जाएगी, जो अतिरिक्त हो या जिसे पढ़ा जा चुका है। यह नए विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी और विद्यार्थी अवकाश के दिन में भी उन किताबों को पढ़ सकेंगे। वे शिक्षा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। डॉ. सिंह ने कहा कि शासकीय, अनुदान प्राप्त और निजी स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों का समय बद्ध वितरण किया जाए।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में समीक्षा करते हुए कहा कि स्कूलों में कीचन गार्डन में ऐसे साग-सब्जी जैसे टमाटर, मिर्ची, धनिया का उत्पादन किया जाए, जो उपयोगी हो और बच्चों के मध्यान्ह भोजन में सब्जी काम आए। साथ ही बच्चों को दो-दो जोड़ी स्कूल ड्रेस जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जाएं। कलेक्टर ने कहा कि यदि कोई स्कूल भवन या उसका कोई

हिस्सा जर्जर हो और नए भवन का निर्माण कराया जाना हो तो पुराने भवनों का विधिवत रूप से नष्ट किया जाए और उनके मलबे का नीलामी की प्रक्रिया भी करें, इसकी जानकारी स्कूल अभिलेख में दर्ज करें। उन्होंने परीक्षा परिणाम में सुधार लाने और पढ़ाई में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देष दिए।

डॉ. सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग में तील साल से अनुपस्थित कर्मियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। इसके पश्चात उन कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने प्रत्येक विकासखंड से दो-दो स्कूल भवन के निर्माण मरम्मत और कीचन शेड बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश भी दिए है। उन्होंने कहा कि किचन शेड ऐसा बनाया जाए जो उपयोगी हो। बालबाड़ी के बच्चों प्राथमिक शाला में दाखिला दिलाया जाए।

महतारी वंदन योजना से बेहतर भविष्य की बंधने लगी आस

रायपुर। महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बीते मार्च माह से महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना से महिलाएं लाभान्वित होकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं हैं। योजनांतर्गत प्रतिमाह एक हजार रूपये महिलाओं के बैंक खाते में सीधे अंतरित होने से प्रदेश की महिलाओं के मन में बेहतर भविष्य की आस बंधने लगी है।

योजना से लाभान्वित हुई सहेली संघ स्व सहायता समूह धमतरी की सदस्य श्रीमती हेमा साहू ने बताया कि उनके साथ श्रीमती ललिता साहू, श्रीमती राशि साहू, श्रीमती संतोषी साहू, श्रीमती रमा सेन, श्रीमती सविता, श्रीमती अनिता यादव सहित उनकी समूह की अन्य महिलायें कलेक्टोरेट के पास कम्पोजिट भवन में कैंटिन का संचालन करती है। इन महिलाओं ने राज्य सरकार की इस कल्याणकारी योजना की सराहना करते हुए कहा कि मध्यम व निम्न वर्ग के परिवार की महिलाओं के लिए यह योजना आर्थिक मजबूती का आधार बन गयी है। वे इस योजना से मिलने वाली राशि के उपयोग से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। योजना से महिलाएं निजी जरूरतों, घरेलू आवश्यकताओं व दैनिक उपयोग की चीजों की खरीदी एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हुई है।

श्रीमती हेमा साहू ने बताया कि वह एक गृहिणी है और उन्हें पिछले 4 माह से योजना के तहत राशि प्राप्त हो रही है, जिसका उपयोग वे घरेलू खर्चो में करती है। योजना लागू होने के पूर्व उन्हें अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपने पति पर निर्भर रहना पड़ता था। अब प्रत्येक माह इस योजना की राशि उनके खाते में जमा होने से अब उन्हें छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है।

राजधानी में नशे का कारोबार, 3 किग्रा अफीम के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में नशे का कारोबार चला रहे युवक को पकड़ने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। श्याम नगर स्थित गुरूनानक चौक के पास अफीम की बिक्री करते युवक को रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 3 किलो 210 ग्राम अफीम के साथ बिक्री रकम 3,23,800 रुपए जब्त किया है। थाना तेलीबांधा पुलिस की टीम को 1 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई कि श्याम नगर स्थित गुरूनानक चौक पास एक व्यक्ति अफीम की बिक्री कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तेलीबांधा थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम सुन्दर सिंह निवासी तेलीबांधा रायपुर बताया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास कब्जे से लगभग 3 किलो 210 ग्राम अफीम कीमती लगभग 3,20,000 रुपए और बिक्री रकम 3,23,800 रुपए जब्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 475/2024 धारा 18 नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। आरोपी वर्ष 2024 के माह ङ्क फरवरी में ही अफीम बिक्री करने के प्रकरण में थाना न्यू राजेन्द्र नगर से जेल निरूद्ध रह चुका है। कार्रवाई में निरीक्षक विनय सिंह बघेल थाना प्रभारी तेलीबांधा तथा थाना तेलीबांधा से सउनि केजू राम ध्रुव, संतोष यादव, प्रधान आरक्षक अमित सिन्हा, आरक्षक सुमित राणा, सुनील चंदेल, राजेश सिंह एवं शिवा निराला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ में उद्योगों की स्थापना के लिए हर संभव सहयोग : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग के सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है छत्तीसगढ़ में निवेश करने वाले और उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता सुशासन और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। इसी क्रम में आज निवेशकों और नए उद्योग लगाने वालों की सुविधा के लिए विभिन्न क्लीयरेंस और स्वीकृतियां त्वरित रूप से प्रदान करने के लिए सिंगल विंडो पोर्टल 2.0 का शुभारंभ किया गया है। प्रशासनिक दखल कम कर प्रक्रिया को सरलीकृत बनाने के लिए यह बड़ी पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पोर्टल उद्यमियों के लिए अत्यंत आसान और उपयोग करने में सुगम होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज यहां अपने राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय से सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 पोर्टल शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश में संसाधनों के विपुल भंडार है और औद्योगिक विकास के भी असीम अवसर उपलब्ध हैं। उद्योग विभाग की इस नई व्यवस्था से सभी सुविधाएं एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया आसान होने से निवेश में उनकी रुचि बढ़ेगी और युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। व्यवसायियों को आवश्यक विभागीय अनुमति-सहमति और क्लीयरेंस के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और ना ही अलग-अलग विभागों में आवेदन करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि नए पोर्टल में विभागीय अधिकारियों को भी जिम्मेदारियां दी गई है और उन पर आवेदनों के समय पर निराकरण की जवाबदेही भी

होगी। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर इसकी समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने सभी व्यापारियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे समय पर आवेदनों का निराकरण होगा और आवेदक सिंगल क्लिक पर अपने आवेदन की स्थिति के बारे में जान पाएंगे। वाणिज्य और उद्योग विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद ने सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 से अधिक विभागों की 100 से अधिक सुविधा इस पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध होगी। आवेदक को एक बार ही लॉगिन करना होगा और दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। पूरी प्रक्रिया के दौरान किसी भी विभाग द्वारा यदि कोई जानकारी मांगी जाएगी तो आवेदक लॉगिन कर इसके बारे में जान पाएंगे।

उन्होंने बताया कि अब किसी भी कार्यालय से ऑफलाइन मोड में संपर्क करने की आवश्यकता नहीं है। सचिव श्री आनंद ने बताया कि ई-चालान के माध्यम से पेमेंट की सुविधा भी मिलेगी। नई सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि अब किसी भी उद्योग को लगाने से पूर्व किन-किन विभागों से अनुमति की आवश्यकता होगी, यह जानकारी भी पोर्टल में उपलब्ध कराई गई है। सभी विभागीय अधिकारियों को आईडी-पासवर्ड भी दिए गए हैं, जिससे वह समय-समय पर आवेदनों का निराकरण कर पाएंगे। अब इसकी मॉनिटरिंग आसान होगी और अनुमति के लाइसेंस के लिए समय-समय पर संबंधित विभाग अधिकारियों को अलर्ट भी भेजा जाएगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विभिन्न मौकों पर कहा है कि उद्योगों की स्थापना से न केवल प्रदेश का विकास होगा बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उद्योगों की स्थापना प्रक्रिया जितनी अधिक पारदर्शी और आसान होगी, उद्यमी उतने ही अधिक आकर्षित होंगे और निवेश बढने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उद्योगों की स्थापना को सुगम बनाने वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा पुराने पोर्टल को अपग्रेड करते हुए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 तैयार किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री धीरेन्द्र तिवारी, सचिव श्री पी दयानंद और उद्योग विभाग के संचालक श्री अरूण प्रसाद सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मोदी सरकार का हरित ऊर्जा एजेंडा

वंदना गोम्बर

लोक सभा नतीजों की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पहले संबोधन में 'हरित युग' की शुरुआत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने इस बात का भी जिक्र किया कि भारत किस तरह हरित औद्योगीकरण, हरित ऊर्जा और हरित वाहन खंडों में अग्रणी देश बनना चाहता है। प्रधानमंत्री द्वारा कही गई ये बातें संकेत देती हैं कि हरित विकास में सरकार किन प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ेगी। हरित ऊर्जा विशेषकर सौर एवं पवन ऊर्जा- की बात करें तो भारत सालाना अपनी क्षमता बढ़ाने में दुनिया के शीर्ष देशों में शुमार है और वह इसे (हरित ऊर्जा) और बढ़ावा देने के लिए स्थानीय विनिर्माण क्षमता का और विस्तार कर रहा है। जो भी देश स्थानीय स्तर पर विनिर्माण बढ़ाने का प्रयास कर रहा है उसे एक अलग प्रकार की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए अमेरिका में लगातार नीतिगत बदलाव किए जा रहे हैं ताकि प्रोत्साहित करने एवं हतोत्साहित करने का मिश्रण घरेलू विनिर्माताओं के लिए आकर्षक बना रहे और इसके साथ ही क्षमता विस्तार को भी अतिरिक्त विस्तार समर्थन मिलता रहे। भारत में लोक सभा चुनाव संपन्न होने और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी के कमान संभालने के बाद अब तेजी से विभिन्न उद्देश्यों के बीच संतुलन स्थापित करने और विशेष लक्ष्य पूरे करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। भीषण गर्मी में बिजली की मांग ताबड़तोड़ बढ़ने के बीच अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। अप्रैल 2024 के लिए केंद्रीय बिजली प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार अक्षय ऊर्जा (जल विद्युत सहित) की देश में कुल बिजली उत्पादन में 20 फीसदी हिस्सेदारी होती है। इस 20 फीसदी हिस्सेदारी में सौर ऊर्जा का योगदान लगभग आधा है और इसके बाद बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं और पवन ऊर्जा का सबसे अधिक योगदान रहा है। दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर प्रगति थोड़ी धीमी हुई है। ब्लूमबर्गएनईएफ के आर्थिक बदलाव परिदृश्य (इकनॉमिक ट्रांजिशन सिनेरियो) में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 2023 के 1.39 करोड़ से बढ़कर 2027 में 3 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इस अवधि के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री सालाना 21 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है जबकि 2020 से 2023 के बीच इसकी दर 61 फीसदी रही थी। दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत के सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाले बाजारों में शामिल रहने का अनुमान है। वियतनाम की विनफास्ट और टेस्ला के प्रवेश के बाद भारतीय बाजार को और मजबूती मिल सकती है। इस बीच, यूरोपीय संघ ने जुलाई से चीन से निर्यात होने वाली इलेक्ट्रिक कारों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का निर्णय लिया है। यूरोपीय संघ के इस निर्णय के कई मतलब निकाले जा सकते हैं। संघ ने कहा है कि वह 'अस्थायी तौर पर इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि चीन में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) मूल्य व्यवस्था अनुचित सब्सिडी से लाभान्वित होती है। इस अनुचित सब्सिडी प्रक्रिया से यूरोपीय संघ के बीईवी उत्पादों को आर्थिक नुकसान होने का खतरा पैदा हो गया है'। भारत में नई सरकार का आर्थिक नजरिया जुलाई में बजट पेश होने के बाद स्पष्ट हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिनों पहले इटली में संपन्न जी-7 समूह की बैठक में 2070 तक कार्बन के नेट जीरो उत्सर्जन का भारत का संकल्प दोहराया है। बीएनईएफ का अनुमान है कि सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन और फ्यूल-सेल वाहन 2027 तक रोजाना लगभग 40 लाख बैरल तेल का विस्थापित कर सकते हैं। इसके अनुसार 2027 तक सड़कों पर चलने वाले वाहनों के लिए ईंधन की मांग शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएगी और इसके बाद इसमें कमी आनी शुरू हो जाएगी। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन के अनुसार इस तिमाही में तेल की मांग लगभग 10.4 करोड़ बैरल प्रति दिन रहने की उम्मीद है। बीएनईएफ के आर्थिक बदलाव परिदृश्य के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहन खंड में प्रगति नहीं हुई होती तो तेल की मांग 2030 में प्रति दिन 66 लाख बैरल अधिक रहती।

अखिलेश जीत से अहंकार न पालें

संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के हौसले इस समय काफी बुलंद हैं। उनकी पार्टी ने यूपी की 80 में से 37 सीटों पर जीत हासिल की है। इसी के बाद वह यूपी में 2014 के लोकसभा चुनाव में 71 और 2019 में 62 और अबकी 2024 में 33 सीटें एवं यूपी विधानसभा चुनाव 2017 में 312 तथा 2022 में 273 सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी पर लगातार हमलावर हैं। ऐसा होना स्वभाविक भी है, उन्हें(अखिलेश यादव) अपने नेतृत्व में पहली बार लोकसभा चुनाव में 37 सीटों पर जीत का स्वाद चखने को मिला है। इससे पहले अखिलेश की जीत रिकार्ड ना के बराबर था। वह समाजवादी पार्टी की बागडोर संभालने के बाद लगातार जीत के लिये तरस रहे थे। 2012 के विधानसभा चुनाव, जो समाजवादी पार्टी द्वारा मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में लड़े गये थे गये थे, उसमें समाजवादी पार्टी को बहुमत हासिल हुआ था, लेकिन चुनाव जीतने के बाद मुलायम ने अपनी जगह बेटे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया था, जिसका लेकर पार्टी में मनमुटाव भी देखने को मिला था। तब से लेकर आज तक समाजवादी पार्टी यूपी से लेकर दिल्ली तक के चुनाव में अपनी पैठ नहीं बना पाई थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा को यूपी की 80 सीटों में से मात्र 05 सीटों पर एवं 2019 में सीटों पर जीत हासिल हुई थी। सपा ने 2019 का लोकसभा चुनाव बसपा के साथ मिलकर और अबकी 2024 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था। वहीं 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव जो उसने कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था उसमें सपा को मात्र 47 सीटों पर संतोष करना पड़ा था और 2022 में भी बहुत अच्छा करने के बाद भी 125 सीटों पर उसकी जीत का आकड़ा ठहर गया था।

लब्बोलुआब यह है कि अखिलेश को सपा का नेतृत्व संभाले दस वर्ष हो चुके हैं। इन दस वर्षो में सपा को चार बड़ी हार और कई छोटी-छोटी हार का भी सामना करना पड़ा था। दस वर्षो के बाद पहली बार 2024

के आम चुनाव में में उनकी पार्टी की जीत का ग्राफ बढ़ा जरूर है, लेकिन यह बढ़त इतनी नहीं थी, जितना सपा प्रमुख द्वारा प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। भाजपा की यूपी में चार सीटें ही समाजवादी पार्टी से कम आई हैं और इसकी वजह बीजेपी के प्रति जनता की नाराजगी से अधिक उसके (बीजेपी) भीतर की खींचतान थी। बहरहाल, अखिलेश अपने हिसाब से राजनीति करने के लिये स्वतंत्र हैं,लेकिन उनका अहंकार उचित नहीं है। जीत की खुशी में किसी धर्म का मजाक नहीं उड़ाया जा सकता है। दुखद यह है कि अखिलेश यादव जाने-अंजाने ऐसा कर रहे हैं, जिस तरह मुलायम सिंह ने सत्ता में रहते कारसेवकों पर गोली चलाई और फिर इसके महिमामंडित किया था, उसी तरह से आज अखिलेश यादव अयोध्या से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी की जीत के बाद कर रहे हैं। इसके लिये वह सीधे तौर पर तो कुछ नहीं करते हैं, लेकिन उनके संकेत की राजनीति का यही निचोड़ नजर आता है कि आज भी समाजवादी पार्टी प्रभु श्रीराम की विरोधी है। यहां तक की संसद में भी अखिलेश ऐसा ही कर रहे हैं। 18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने सदन में बोलते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला, इसमे किसी को आपत्ति भी नहीं थी। अखिलेश ने पेपर लीक मुद्दा, अयोध्या, जाति जनगणना, एमएसपी, ओपीएस, अग्निवीर योजना जैसे कई मुद्दों के सहारे बीजेपी सरकार को घेरा तो यूपी का जिक्र करते हुए कहा कि जुमला बनाने वालों से विश्वास उठ गया।

सपा प्रमुख ने पेपर लीक मामले को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। कहा कि यूपी में परीक्षा माफिया का जन्म हुआ है। पेपर लीक मुद्दे पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, %%पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? सच तो यह है कि सरकार ऐसा इसलिए कर रही है ताकि उसे युवाओं को नौकरी न देनी पड़े।%% वहीं ईवीएम पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, %%ईवीएम पर मुझे कल भी भरोसा नहीं था, आज भी नहीं है भरोसा, मैं 80 में 80 सीटें जीत जाऊं तब भी नहीं भरोसा होगा। वह बोले ईवीएम का मुद्दा खत्म नहीं हुआ है।%% अखिलेश कहते हैं कि यहां हारी हुई सरकार विराजमान है। ये चलने वाली नहीं गिरने वाली सरकार है। आवाम ने हुकूमत का गुरूर तोड़ा जनता कह रही, सरकार गिरने वाली है। संविधान रक्षकों की जीत हुई है। अखिलेश ने कहा, %%देश के सभी समझदार और ईमानदार मतदाताओं को धन्यवाद जिन्होंने देश के लोकतंत्र को एकतंत्र बनाने से रोका। आवाम ने तोड़ दिया हुकुमत का गुरुर, दरबार तो लगा है पर बड़ा गमगीन बेनूर।%% सपा प्रमुख ने कहा, %%कहने को यह सरकार कहती है कि ये फिफ्थ लार्जेस्ट इकोनॉमी बन गई है, लेकिन यह सरकार क्यों छुपाती है हमारे देश की पर कैपिटल इनकम किस स्थान पर पहुंची है? वर्ल्ड हंगर इंडेक्स पर कहां खड़े हैं, नीचे से कहां है?%% मगर जब अखिलेश से राहुल गांधी के हिन्दुओं को हिंसक बताये जाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया मांगी जाती है तो वह इधर-उधर की बात करने लगते हैं।

खैर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बातों में दम तो लगता है, लेकिन वह यह नहीं याद रखते हैं कि समाजवादी पार्टी में किस तरह से नकल माफिया सक्रिय रहते थे। सरकारी नौकरियां निकलने से पहले इनकी भर्ती के लिये सौदा हो जाता था। दबंग समाजवादी नेता कैसे थानों थानों पर 'कब्जा' कर लेते थे। सरकारी टेंडर के लिये कैसे खून-खराबा होता था। भू माफिया किस तरह से जमीनों पर कब्जा कर लेते थे।

लड़कियों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया था। कानून व्यवस्था के नाम पर जंगलराज फैल गया था। इसी को मुद्दा बनाकर बीजेपी ने 2017 के विधान सभा चुनाव में सत्ता से उखाड़ कर फेंक दिया था। अखिलेश पर हिन्दुओं को दलित, ओबीसी के नाम पर बांटने पर भी आरोप लगता रहता है, परंतु वह इस पर कुछ नहीं बोलते हैं। वह यह भी नहीं बताते हैं कि पूर्व सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव जिस कांग्रेस से हमेशा दूरी बनाकर चलते थे,उससे उन्होंने कैसे हाथ मिला लिया। अच्छा होता कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव आम चुनाव में मिली जीत से आनंदित होते, लेकिन वह आनंदित से अधिक अहंकार में डूबे ज्यादा नजर आ रहे हैं, जबकि वह अहंकार में डूबी बीजेपी का हश्र देख चुके हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

स्वसवद्योपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

यह भी सर्वमान्य है कि कुत्ते, गधे, बिल्लियाँ और कृमि न उत्तम हैं, न मध्यम हैं और न नीच हैं (सबका सृष्टि में अपना-अपना उपयुक्त स्थान है)। इस शोक का यही अर्थ हुआ।

इसलिए न तत शब्द है, न किम शब्द है (अर्थात् प्रश्न और उत्तर कुछ नहीं है) और न सभी शब्द (अर्थात् अन्य कोई शब्द) हैं। न माता, न पिता, न बंधु, न पत्नी, न पुत्र, न मित्र और अन्य सब भी नहीं हैं, तो भी साधकों को आत्म स्वरूप को समझने की आकांक्षा से और जीवन्मुक्त होने की आकांक्षा से सन्त सेवा करनी चाहिए। स्त्री, पुत्र, धन, गृह सब कुछ उन्हें अर्पित कर देना चाहिए अर्थात् उनके निमित्त उनका मोह छोड़ देना चाहिए। कमद्वैत नहीं भावाद्वैत करना चाहिए। निश्चित ही सवद्वैत करना चाहिए। गुरु में द्वैत अवश्य करना चाहिए, क्योंकि उनसे बढ़कर और कुछ भी नहीं है। उनके द्वारा ही सम्पूर्ण जगत् प्रकाशित होता है अर्थात् गुरु की कृपा से ही सब कुछ जाना जाता है। उनसे बढ़कर अन्य कौन है अर्थात् कोई नहीं। जो इस तथ्य को सम्यक् रूप से जानता है, वह जीवन्मुक्त हो जाता है।

देश में वन लगाने को दें जन आंदोलन का रूप

अनिल प्रकाश जोशी

पर्यावरण को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने?हाल ही में जिस विषय पर चर्चा का आह्वान किया है, वह बंजर पड़ती जमीन और बढ़ता मरुस्थल है। पर्यावरण के मौजूदा हालात से कम से कम यह तो समझा ही जा सकता है कि अब सब कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर जा रहा है। इस बार के ग्रीष्म काल को ही देख लीजिए, जिसने फरवरी से ही गर्मी का एहसास दिला दिया था और जून पहुंचते-पहुंचते अपना प्रचंड रूप दिखा दिया।

पूरी दुनिया में औसतन तापक्रम बढ़ा है और अब प्रचंड गर्मी के दिन धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। इस बात को राहत न मानें कि आने वाले समय में ये स्थिर हो जाएंगे। आज दुनिया में 80 प्रतिशत लोग इस गर्मी को झेल रहे हैं और ऐसे गर्म दिनों की संख्या पहले प्रतिवर्ष 27 के आसपास होती थी, लेकिन अब वर्ष में 32 दिन ऐसे होते हैं, जब गर्मी खतरे की सीमा तक पहुंच

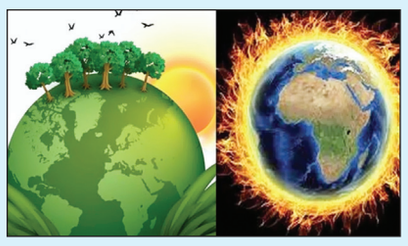

जाती है। अभी बिहार, जैसलमेर, दिल्ली में भयंकर हीटवेव की खबर आई थी, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में भी हीटवेव ने लोगों की हालत बदतर कर दी है।

इस बढ़ती गर्मी का सबसे महत्वपूर्ण कारण तो यही है कि हमने पृथ्वी और प्रकृति के बढ़ते असंतुलन की तरफ कभी ध्यान ही नहीं दिया। दुनिया भर में एक-एक करके प्रकृति के सभी संसाधन या तो बिखर गए या फिर घटते चले गए। और इसका जिम्मेदार अगर कोई है, तो स्वयं मनुष्य ही है। हमने अपनी जीवन-शैली को कुछ इस तरह बना लिया है कि अब हम उन आवश्यकताओं से बहुत ऊपर उठ गए हैं, जो जीवन का आधार थीं। अब हमने विलासिताओं को भी आवश्यकताओं में बदल दिया है, जिनके कारण पृथ्वी के हालात गंभीर होते चले गए। मसलन आज हमारी जीवन-शैली में बहुत बड़े बदलाव आए हैं। बढ़ता शहरीकरण और ऊर्जा की अत्यधिक खपत के कारण ग्लेशियर पिघलने लगे हैं, तो नदियां सूखने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। जमीन हो या आसमान पृथ्वी का कोई भी हिस्सा सुरक्षित नहीं बचा है।

दुनिया में बढ़ते मरुस्थल की चिंता पर हम कितने गंभीर हैं, इसका पता इन आंकड़ों से चलता है। दुनिया में करीब 24 प्रतिशत भूमि अब मरुस्थलीय लक्षण दिखा रही है। मरुस्थलीय भूमि उसे कहते हैं, जहां कुछ भी पैदा होना संभव नहीं रहता और पूरी धरती लवणीय हो जाती है तथा पानी की बहुत बड़ी कमी हो जाती है। बोलीविया, चिली, पेरू जैसे देशों में 27 से 43 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीय हो चुकी है और अर्जेंटीना, मेक्सिको, प्राग की तो 50 प्रतिशत से ज्यादा भूमि बंजर पड़ चुकी है। दुनिया भर में बढ़ते ग्रासलैंड व सवाना जैसे मरुस्थल इसी ओर संकेत करते हैं कि ये भूमि उपयोगी नहीं रहीं। अपने देश में माना जाता है कि 35 फीसदी भूमि पहले ही डिग्रेड हो चुकी है और इसमें से भी 25 फीसदी बंजर बनने वाली है। ज्यादातर ऐसी भूमि उन राज्यों में है, जो संसाधनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, झारखंड, गुजरात, गोवा, दिल्ली और राजस्थान भी इनमें शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 50 फीसदी से ज्यादा भूमि बंजर होने वाली है। थोड़ी राहत की बात है कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, मिजोरम जैसे राज्यों में अभी मात्र 10 प्रतिशत भूमि में ही बंजरपन दिखाई दे रहा है। जहां पहले वन होते थे, तालाब थे, या जहां प्रकृति के अन्य संसाधनों के भंडार होते थे, उन सबको अन्य उपयोगों में ले लिया गया है।

बाइडेन के लड़खड़ाने से बढ़ी अनिश्चितता

शिवकांत

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच हुई पहली टीवी बहस में बाइडेन के कमजोर प्रदर्शन से उनकी उम्मीदवारी पर सवाल खड़े हो गये हैं। वहां प्रमुख उम्मीदवारों के बीच टीवी पर सीधी बहस की परंपरा 1960 से चली आ रही है। ये बहसें प्रमुख पार्टियों- रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशनों के बाद होती हैं, जिनमें उम्मीदवारों की घोषणा होती है। पर इस बार पहली बहस अधिवेशनों से पहले हुई, जिसका अनुरोध बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी ने किया था। बाइडेन प्रचार अभियान के लोग उनकी वृद्धावस्था से कमजोर होती स्मृति और शारीरिक क्षमता को लेकर उठ रहे सवालों से चिंतित थे। इसलिए वे सिद्ध करना चाहते थे कि बाइडेन 81 वर्ष की उम्र में भी सजग और सक्षम हैं। एक के बोलते समय दूसरे का माइक बंद रखने की व्यवस्था करने के साथ-साथ स्टूडियो में दर्शकों को भी नहीं बुलाया गया था, ताकि ट्रंप समर्थक शोर मचाकर विघ्न न डाल सकें।

संचालकों ने झूठे तथ्यों और दावों को चुनौती न देने की नीति अपना कर 90 मिनट की बहस में अधिक से अधिक सवालों के समावेश की कोशिश की, जिसकी मीडिया में खासी आलोचना हो रही है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने तो इसे रियलिटी शो की संज्ञा दे डाली और वास्तव में यह बहस रियलिटी शो ही साबित हुई। हाथ मिलाने के शिष्टाचार के बिना उम्मीदवारों ने बहस शुरू की और यह कटुता पूरे समय बनी रही। बाइडेन ने ट्रंप को झूठा और अपराधी कहा, तो ट्रंप ने बाइडेन को सबसे बुरा राष्ट्रपति और चीनी पैसे पर पलने वाला मंचूरियाई उम्मीदवार कह दिया। बाइडेन ने ट्रंप के आरोपों का खंडन किया और नोक-झोंक के ऐसे क्षणों में वे प्रखर और सजग दिखे।

परंतु शुरू के पंद्रह मिनटों में वे काफी सुस्त, थके, कुछ खोये और बातें कहने में लड़खड़ाते

दिखाई दिये। कोविड पर काबू पाने के लिए टीकाकरण की बात करते-करते भूल गये और 'हमने कोविड को परास्त कर दिया' कहने की जगह ' हमने मेडिकेयर को परास्त कर दिया' कह गये, जो अमेरिका की स्वास्थ्य बीमा सेवा है। वहीं ट्रंप इत्मीनान और चतुराई के साथ अपनी बातें रखते नजर आये। विडंबना यह है कि राष्ट्रपति बाइडेन की शारीरिक और मानसिक क्षमता संबंधी जिन आशंकाओं को दूर करने के लिए बहस को समय से दो महीने पहले कराया गया, वे असल में इससे पुष्ट हो गयीं।

ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी ने बाइडेन की अक्षमताओं को ही प्रचार का मुख्य बिंदु बना रखा है। इसलिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रचार तंत्र ने बहस से मचते हड़कंप को देखते ही स्पष्टीकरण जारी किया कि राष्ट्रपति को जुकाम था, इसलिए वे सुस्त दिख रहे थे। बाइडेन अपनी सक्षमता पर उठने वाले सवालों पर कहते आये हैं- मुझे देख लीजिए! इसलिए उन्होंने अपने समर्थकों को आश्वस्त करने के लिए अगले ही दिन जोश के साथ एक रैली को संबोधित किया। पर हकीकत यह है कि बाइडेन का प्रदर्शन 1960 में शुरू हुई टीवी बहसों में सबसे कमजोर साबित हुआ। परिणामस्वरूप सर्वेक्षणों के अनुसार ट्रंप इस बहस के बाद जन स्वीकार्यता में बाइडेन से चार की जगह छह अंकों से आगे हो गये।

लेकिन उससे भी बड़ी समस्या यह है कि जिन सात स्विंग राज्यों में चुनाव का फैसला होना है, वहां ट्रंप लगातार आगे चल रहे हैं। बाइडेन और उनके प्रचार तंत्र को आशा है कि सितंबर में होने वाली दूसरी बहस में वे बेहतर प्रदर्शन कर इस बहस के नुकसान की भरपाई कर सकते हैं और जीत सकते हैं। पर उनके अधिकतर समर्थक उम्मीद हार चुके हैं और मानते हैं कि उम्मीदवार बदले बिना अब यह चुनाव नहीं जीता जा सकता। वे बाइडेन से अपील कर रहे हैं कि वे ठंडे दिमाग से सोचें और मैदान से हट जाएं ताकि पार्टी नया उम्मीदवार चुन सके। इसी में देश और दुनिया की भलाई है।

यदि बाइडेन इसके लिए तैयार हुए, तो उनकी जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। पर जन स्वीकार्यता में वे बाइडेन से भी पीछे चल रही हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी के नियमों के अनुसार उन्हें उम्मीदवार बनाना जरूरी भी नहीं है। इसलिए नये उम्मीदवार का फैसला अगस्त में पार्टी अधिवेशन में जमा होने वाले प्रतिनिधियों को करना होगा। इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि नया उम्मीदवार भी ट्रंप को हरा ही सकेगा। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो बार इसी तरह आखिरी दौर में उम्मीदवार बदले गये हैं और दोनों बार नये उम्मीदवारों को हार का मुंह देखना पड़ा है। फिर भी पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि इस बार नये उम्मीदवार के जीतने की संभावना अधिक है क्योंकि उसके आने से पार्टी के उम्मीदवार की शारीरिक क्षमता को निशाना बनाने वाला ट्रंप का सबसे बड़ा हथियार बेकार हो जायेगा।

चुनाव से हटने के लिए बाइडेन पर इस समय उनकी पार्टी के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय दबाव भी पड़ रहा है क्योंकि दुनिया इस समय चार बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। यूक्रेन और गाजा में चल रहे युद्धों की वजह से दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से चली आ रही नियमबद्ध वैश्विक व्यवस्था के टूटने का खतरा पैदा हो गया है तथा वैश्विक संस्थाएं अप्रासंगिक होती जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन ने अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। कृत्रिम बुद्धि (एआइ) के विकास से जीवन के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन होने जा रहे हैं और बढ़ते निजी एवं सरकारी कर्ज के बोझ के कारण पूरी दुनिया में ऋण संकट बढ़ रहा है। इन वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए दुनिया को इस समय अमेरिका के नेतृत्व की जरूरत है। ऐसे समय में अमेरिका में सत्ता परिवर्तन की संभावना से यूरोप, मध्य-पूर्व, लातीनी अमेरिका और एशिया में चिंता है क्योंकि पिछले कार्यकाल में ट्रंप की नीतियां जलवायु विरोधी, टकरावपूर्ण और अमेरिका केंद्रित रही हैं और बहस के दौरान भी उन्होंने अपनी नीतियों की वही दिशा रखने की पुष्टि की। जलवायु और व्यापार नीतियों की चर्चा के दौरान भारत का प्रसंग भी आया और ट्रंप ने दोहराया कि वे ऐसी जलवायु नीतियों का समर्थन नहीं करेंगे, जिनका सारा लाभ चीन और भारत जैसे देशों को मिले। प्रवासन और व्यापार घाटे को लेकर भी ट्रंप की नीतियां सख्त रहने वाली हैं। इसलिए यदि डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर उम्मीदवार को लेकर चल रहे संशय की स्थिति में ट्रंप बाजी मार ले जाते हैं, तो भारत समेत विश्व को कई नीतियों पर फिर से तालमेल बिठाना होगा।

आज का इतिहास

1928 लंदन में पहली बार रंगीन टीवी कार्यक्रम का प्रसारण हुआ।
1934 बैंक ऑफ कनाडा अधिनियम कनाडा में पारित किया गया
1938 मलार्ड लोकोमोटिव द्वारा, स्टीम रेलवे लोकोमोटिव के लिए सबसे तेज़ गति का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड में स्थापित किया गया था। यह 202.58 किमी / घंटा की गति तक पहुँच गया। नंबर 4468 मल्लार्ड एक लंदन, उत्तर पूर्व रेलवे क्लास ए 4 4-6-2 प्रशांत स्टीम लोकोमोटिव इंग्लैंड में डोनकास्टर में 1938 में बनाया गया था।
1940 द्वितीय विश्व युद्ध-ब्रिटिश नौसेना ने फ्रांसीसी बेड़े पर हमला किया (फ्रांसीसी विध्वंसक मोगाडोर चित्रित), यह डरते हुए कि जहाज उन दो देशों के बीच युद्धविराम के बाद जर्मन हाथों को गिरा देगा।
1940 द्वितीय विश्व युद्ध: ब्रिटिश नौसेना ने फ्रांसीसी बेड़े पर हमला किया, इस डर से कि दोनों देशों के बीच युद्धविराम के बाद जहाज जर्मन हाथों में गिर जाएंगे।
1944 द्वितीय विश्व युद्ध: ऑपरेशन बागान के दौरान सोवियत सैनिकों द्वारा मिन्स्क को जर्मन नियंत्रण से मुक्त किया गया था। ऑपरेशन बागेशन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोवियत 1944 बेलोरियन सामरिक हमले के ऑपरेशन का कोडनेम था।
1962 फ्रांस के राष्ट्रपति ने अलजीरिया की आजादी की घोषणा की।
1969 रॉकेट विज्ञान के इतिहास में सबसे बड़ा विस्फोट तब हुआ जब सोवियत एन - 1 रॉकेट विस्फोट हुआ, बाद में इसके लॉन्च पैड को नष्ट कर दिया गया।
1970 द ट्रबल- द ब्रिटिश आर्मी ने उत्तरी आयरलैंड के फॉल्स कर्फ्यू को बेलफ़ास्ट पर लागू किया, जिसके परिणामस्वरूप केवल अधिक से अधिक आयरिशरेपोलॉजिकल प्रतिरोध हुआ।
1970 द ट्रबल- ब्रिटिश आर्मी ने उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट में फॉल्स कर्फ्यू लगाया, जिसके परिणामस्वरूप केवल अधिक आयरिश गणतंत्रीय प्रतिरोध हुआ।
1988 संयुक्त राज्य नौसेना के युद्धपोत यूएसएस विन्सेन्स ने फारस की खाड़ी के ऊपर ईरान एयर फ्लाइट 655 को गोली मार दी, जिसमें सवार सभी 290 लोगों की मौत हो गई।
1990 मक्का से मीना जाने वाली सुरंग में भगदड़ मचने से 1,426 हज यात्रियों की मौत हुई।
2004 बैंकॉक में मेट्रो प्रणाली का आधिकारिक उद्घाटन किया गया।
2005 राष्ट्रीय कानून समलैंगिक विवाह को स्पेन में वैध किया।
2005 स्पेन में समान-यौन विवाह कानूनी हो गया।
2007 अमेरिका कप: अलिंगी टीम ने न्यूजीलैंड को 5-2 से हरा कर स्पेन में जीत हासिल की।
2011 118 वां विम्बलडन महिला टेनिस: पेट्रा क्वितोवा ने मारिया शारापोवा को (6-3 6-4)से हराया।
2012 इराक में बम विस्फोट से 25 मरे, 40 घायल।
2013 मिस्र के सेना प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-सिसी ने मिस्र के राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी को सत्ता से हटाने के लिए गठबंधन का नेतृत्व किया और मिस्र के संविधान को निलंबित कर दिया।
2013 मिस्र की सेना ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी का तख्तापलट किया।

अखिलेश के पीडीए फॉर्मूले को डिकोड करेगा आरएसएस

अभिनय आकाश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का कथित तौर पर मानना है कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की हालिया हार मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी (एसपी) और कांग्रेस द्वारा दलित और पिछड़े वर्ग के वोट बैंक में सेंध के कारण हुई है। आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले की अगुवाई में हुई बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। आरएसएस की वार्षिक बैठक के दौरान, उत्तर प्रदेश के प्रमुख क्षेत्रों के %प्रचारकों% को भी फिर से नियुक्त किया गया। सूत्र बताते हैं कि आरएसएस बीजेपी की सीटों में कमी का कारण उसके दलित और पिछड़े वर्ग के वोट बैंक का सपा की ओर खिसकना बता रहा है। सूत्रों ने कहा कि मतदाताओं की निष्ठा में इस बदलाव ने भाजपा के प्रदर्शन पर काफी प्रभाव डाला। अब उत्तर प्रदेश में बीजेपी के बिछड़ने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुपर एक्टिव मोड में दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी को संघ का साथ मिलने वाला है। यूपी में समाजवादी पार्टी के पीडीएफ मॉडल को पछाड़ने के लिए संघ खुलकर कमान संभालने की तैयारी में है। हरेक प्रक्रिया पर मंथन के बाद संघ का प्लान ऑफ एक्शन काम करेगा। यूपी में आरएसएस की सक्रियता लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मिली करारी हार पर मरहम लगा सकता है क्योंकि यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। बीजेपी के सामने अखिलेश के पीडीए फॉर्मूले को डिकोड करने की चुनौती है।

पिछड़े (पिछड़े वर्ग), दलित, अल्पसंख्यक (अल्पसंख्यक) के प्रति सपा की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए अखिलेश ने लोकसभा चुनाव से पहले पीडीए फॉर्मूला पर जोर दिया था। इस कदम का भरपूर चुनावी लाभ मिला क्योंकि एसपी ने लोकसभा चुनाव में 37 सीटें जीतीं। अखिलेश यादव को डिप्टी स्पीकर उम्मीदवार पर इंडिया ब्लॉक के फैसले का इंतजार है। वह संविधान के अनुसार जाति जनगणना की वकालत करते हुए आरक्षण विरोधी रुख के लिए भाजपा की आलोचना करते हैं। अखिलेश ने बाबा साहब, लोहिया जी और नेताजी के दृष्टिकोण को याद किया। उन्होंने पीडीए परिवार के खिलाफ भेदभाव को उजागर करते हुए भाजपा पर उत्तर प्रदेश में बहुजन समुदाय, दलितों और आदिवासियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। गैर यादव ओबीसी को टेक्ट देकर समजवादी पार्टी ने बीजेपी के वोट में सेंध लगाई। संविधान का मुद्दा उठाकर दलित वोट इंडिया गठबंधन के पक्ष में गया और मुस्लिम वोटर्स एकजुट होकर सपा-कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में वोट किया। यादव की अगवाई में समाजवादी पार्टी ने पीडीए समीकरण के तहत 2014 से हिट चल रही बीजेपी की सोशल इंजीनियरिंग को ध्वस्त कर दिया। धर्म के राजनीति को जातीय समीकरण से साधा। नतीजा यह हुआ कि लगातार चुनाव में मिल रही जीत के बाद अब बीजेपी यूपी में खोई हुई जमीन तलाश रही है।

उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। नौ सीट विधायकों के संसद पहुंचने जबकि एक सीट विधायक के सजा होने के बाद खाली हुई है। जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें मैनपुरी की करहल, अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकर नगर की कटेहरी, संभल की कुंदरकी, गाजियाबाद, अलीगढ़ की खैर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और सीसामऊ शामिल हैं। लोकसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित समाजवादी पार्टी अब विधानसभा उपचुनाव में पीडीए फॉर्मूला लागू कर उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। सपा इस खास रणनीति से यूपी में भविष्य की राजनीति में खुद को मजबूत करने की फिराक में है।

पहले गोरखपुर फिर वाराणसी और गाजीपुर से वाया मिर्ज़ापुर संघ प्रमुख मोहन भागवत पिछले कुछ दिनों से पूर्वांचल का दौरा कर रहे हैं। मोहन भागवत ने गोरखपुर में कार्यकर्ता शिविर में संघ के विस्तार, राजनीतिक परिदृश्य और सामाजिक सरोकारों पर चर्चा की थी. इसमें काशी, गोरखपुर, कानपुर और अवध क्षेत्र में संघ की जिम्मेदारी संभाल रहे संघ के करीब 280 स्वयंसेवक कार्यकर्ता विकास वर्ग शामिल हुए थे। मोहन भागवत ने परमवीर चक्र विजेता शाहिद वीर अब्दुल हमीद की जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके साथ ही उनके बेटे की लिखी पुस्तक मेरे पापा परमवीर का विमोचन भी किया। इससे पहले सुबह वाराणसी में संघ प्रमुख ने शाखा लगाई। जिसके साथ ही बौद्धिक सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें प्रांतीय पदाधिकारी भी शामिल हुए। गौर करने वाली बात ये है कि इन तमाम मौकों पर मोहन भागवत ने कोई भी राजनीतिक बयान नहीं दिया। संघ पदाधिकारी का कहना है कि शताब्दी वर्ष के आयोजन तक संघ के व्यापक विस्तार के लक्ष्य के साथ ही स्वयं सेवकों को एक वर्ष के लिए शताब्दी विस्तारक बनाकर अलग-अलग 80 जिलों के क्षेत्र में भेजना और गांव-गांव में संघ को मजबूत करने का प्लान इस बैठक में चर्चा में लाया गया है। संघ का मकसद बिना किसी राजनीतिक बयानबाजी के बीजेपी की खोई हुई सियासी जमीन को वापिस हासिल करना है। दरअसल, लोकसभा चुनाव में बीजेपी को पूर्वांचल में खासा नुकसान हुआ है। अब आरएसएस की कोशिश इसी का डैमेज कंट्रोल करने की है। इसके लिए आरएसएस पूर्वांचल में जातीय गठजोड़ को एकजुट करने के लिए जुट गया है। चुनाव के बाद आरएसएस लगातार उत्तर प्रदेश में मंथन कर रहा है। इसी कड़ी में संघ प्रमुख मोहन भागवत का पूर्वांचल दौरा भी देखा जा रहा है। संघ की ओर से दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। सभी जातिवाद को संघ से जोड़ने की कोशिश होगी। यूपी के गांव में संघ का विस्तार किया जाएगा। हर ग्राम पंचायत में शाखा शुरू होगी। हर गांव में साप्ताहिक बैठक होगी।

सरकार की राह अब पहले की तरह नहीं रहेगी आसान

शशिधर खान

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। एक ही राजनीतिक दल के एक ही नेता का देश का ऐसा नेतृत्वकर्ता बनना अपने आप में ऐतिहासिक है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अब केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता इस बात का बार-बार उल्लेख कर चुके हैं। उनका कहना सही है, कोई इससे इंकार नहीं कर सकता। लेकिन ऐतिहासिक चुनाव परिणाम का दूसरा पहलू भी सामने है कि मतदाताओं ने विपक्षी दलों को रिकॉर्ड जीत प्रदान की है। अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान नरेंद्र मोदी किसी-न-किसी सम्मेलन में प्राय: कहते थे कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी है। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष तो था, मगर इतना मजबूत नहीं था कि विपक्ष का दर्जा मिले। किसी भी पार्टी के पास लोकसभा में इतनी सीटें नहीं थीं कि उसे यह संवैधानिक दर्जा प्राप्त हो। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी, मगर उसके पास भी न्यूनतम 10त्न सीटें नहीं थीं ताकि उसके नेता को विपक्षी नेता का दर्जा मिले। पूरे दस साल तक जनता से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक यह मुद्दा चर्चा में रहा। मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी), केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी), महालेखा नियंत्रक व परीक्षक (सीएजी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक, लोकपाल जैसे संवैधानिक पदों पर नियुक्ति सरकार इसी बहाने टालती रहती थी। इन पदों की नियुक्ति के लिए बने एक्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के अलावा लोकसभा में विपक्षी नेता का भी प्रावधान है। नियुक्तियां टलने और खाली पदों के प्रति सरकार के उदासीन रवैया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर मिली नोटिस के जवाब में सरकार ने यह दलील देकर पल्ला झाड़ा कि लोकसभा में विपक्ष का नेता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने फटकार के साथ ऐसा प्रावधान करने को कहा ताकि लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को चयन समिति के सदस्य के रूप में बैठक में बुलाया जाए। ऐसा प्रावधान तो हुआ और चयन समिति की बैठकों में लोकसभा में कांग्रेस नेता को बुलाया भी गया। लेकिन केंद्र सरकार ने न तो किसी कारण से लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के नेता के बैठक में नहीं आ पाने की परवाह की, न ही चयन के लिए सूचीबद्ध किसी नाम पर उनकी आपत्ति को तरजीह दी। अब दस साल के अंतराल के बाद लोकसभा में विपक्ष का नेता है, जिसकी उपेक्षा करके भाजपा गठजोड़ सरकार के लिए किसी संवैधानिक नियुक्ति पर एकतरफा निर्णय लेना कठिन होगा।

नई लोकसभा में विपक्ष के तीव्र होंगे तेवर

अवधेश कुमार

18 वीं लोकसभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के दौरान और उसके बाद का दृश्य निश्चित रूप से देश को एक हद तक राहत देने वाला था। आक्रामक मोर्चाबंदी के बाद विपक्ष ने संसद में मत विभाजन की मांग नहीं की। इस कारण ओम बिरला का दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुआ। विपक्ष अपने पूर्व के तेवर के अनुरूप के। सुरेश और ओम बिरला के बीच मतदान पर अड़ता तो तस्वीर दूसरी होती। हालांकि संख्या बल के आधार पर सरकार की ओर से लाए गए उम्मीदवार ओम बिरला का निर्वाचन निश्चित था लेकिन विपक्ष भी अपनी ताकत दिखाना चाहता था। लगता है सरकार के रणनीतिकारों ने विपक्ष के साथ अंदर ही अंदर काफी बातचीत की, उन्हें मनाने का प्रयास किया और उसमें एक हद तक सफलता मिली। सरकार का तर्क यही था कि अध्यक्ष पद को राजनीति से दूर रखने के लिए ओम बिरला का निर्वाचन सर्वसम्मति से होना चाहिए। इसमें सरकारी पक्ष सफल नहीं हुआ लेकिन कम-से-कम मत विभाजन नहीं हुआ यह भी आज की स्थिति को देखते हुए बड़ी बात है। दूसरे, ओम बिरला के निर्वाचन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें बधाई देने गए तो विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी भी आए और प्रधानमंत्री ने स्वयं उन्हें अपने हाथ से आगे आने का इशारा किया। फिर परंपरा के अनुरूप सदन के नेता एवं विपक्ष के नेता तथा साथ में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजु उन्हें आसन तक ले गए। आसन पर बैठने के बाद प्रधानमंत्री ने पहले उनसे हाथ मिलाए और फिर राहुल गांधी की ओर मुड़कर उन्हें आगे किया, फिर प्रधानमंत्री एवं राहुल गांधी ने भी हाथ मिलाया। इससे संदेश यह निकलता है कि राजनीति में आपसी दुश्मनी की स्थिति होते हुए भी हमारे राजनेता महत्वपूर्ण अवसरों पर अपनी भूमिका का गरिमा से निर्वहन कर सकते हैं। हालांकि इससे यह मान लेना गलत होगा कि विपक्ष ने सरकार के साथ समन्वय बनाकर काम करने का मन बनाया है। वास्तव में 18 वीं लोकसभा में शपथ ग्रहण के समय से विपक्ष का तेवर बता रहा है कि वह सरकार को आसानी से काम करने देने की मनःस्थिति में नहीं है। इंडिया गठबंधन के सारे सांसद गांधीजी की प्रतिमा के पुराने स्थल से हाथों में संविधान लहराते हुए जिस तरह नारा लगाते आगे बढ़े वह चिंतित करने वाला दृश्य था। कम-से-कम सांसदों के शपथ ग्रहण के अवसर को प्रदर्शनों से दूर रखा जा सकता था। सरकार ने अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जिसके लिए विपक्ष को इस तरह विरोध की एकजुटता प्रदर्शित करनी पड़े। विरोध के लिए आगे पूरा अवसर बना हुआ है। सांसदों के शपथ ग्रहण यानी 18वीं लोकसभा की शुरुआत में विपक्ष ने अपनी रणनीति के तहत ही आक्रामक विरोधी चरित्र प्रदर्शित किया है।

सैलानियों का हब बन रहा है उत्तर प्रदेश

उमेश चतुर्वेदी

देश का दिल है उत्तर प्रदेश। भगवान राम और कान्हा की जन्मस्थली इसी प्रदेश में हैं। बाबा भोलेनाथ की नगरी, तीन लोकों में न्यारी काशी नगरी भी इसी प्रदेश में है। नाथ संप्रदाय के प्रमुख गुरू गोरखनाथ की नगरी भी इसी प्रदेश में है। अट्ठासी हजार ऋषियों ने जिस नैमिषारण्य में बैठकर देवताओं में श्रेष्ठ कौन है, जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर विचार किया था, वह तीर्थस्थल भी इसी प्रदेश में है। और तो और, तीर्थों का तीर्थ प्रयागराज भी उत्तर प्रदेश में ही है। भगवान बुद्ध ने जिस सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था, वह भी यहीं है। जिस कुशीनगर में उन्होंने निर्वाण लिया, वह भी यहीं है। तीर्थ स्थलों की जहां भरमार हो, वहां सैलानी और तीर्थयात्री ना आएं, तो अचम्भा ही माना जाएगा। ऐसा अचम्भा यहां होता रहा है। लेकिन सात साल के योगी शासन में यहां की स्थिति ऐसी बदली कि अब यहां तीर्थयात्रियों की भरमार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से वाराणसी में विकसित काशी विश्वनाथ कोरीडोर के बाद तो वाराणसी भी पर्यटन और तीर्थ के मानचित्र में नए सिरे से उभर आया है। यही वजह है कि यहां सैलानियों की बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार ने हाल ही में जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके अनुसार पिछले साल राज्य में 48 करोड़ पर्यटक आए थे। यह संख्या राज्य की कुल आबादी की दोगुनी से दो करोड़ ज्यादा है।

दुनिया में जहां भी पर्यटन ज्यादा है, वहां सबसे ज्यादा सैलानी सैर-सपाटे के लिए आते हैं। जबकि उत्तर प्रदेश आने वाले ज्यादातर पर्यटक आध्यात्मिक पर्यटन के लिए आए थे। साल 2023 में अकेल काशी आने वाले तीर्थयात्रियों और सैलानियों की संख्या 10 करोड़ से अधिक थी। जबकि मथुरा-वृंदावन में साढ़े सात करोड़ और अयोध्या में पांच करोड़ से ज्यादा पर्यटक पिछले साल आए। 500 वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीराम के विराजमान होने के बाद यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या कई

गुना बढ़ गई है। यहां प्रतिदिन करीब डेढ़ से दो लाख पर्यटक आ रहे हैं। इन तथ्यों से राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उत्साहित होना स्वाभाविक है। तीर्थयात्रियों और आम सैलानियों में एक अंतर होता है। आम सैलानियों की तुलना में तीर्थयात्री प्रकृति और ईश्वर के प्रति अलग तरह की आस्था रखते हैं। शायद यही वजह है कि अब योगी सरकार राज्य में इको टूरिज्म की संभावनाओं में राज्य का भविष्य देखने लगी है। ऐसी संभावनाओं वाले तीर्थस्थलों में सबसे ज्यादा लखनऊ के नजदीक हैं। जिनमें नैमिषारण्य और चित्रकूट हैं। इसी तरह शुकतीर्थ, विंध्यवासिनी धाम, मां पाटेश्वरी धाम, मां शाकंभरी धाम सहारनपुर, बौद्ध तीर्थ स्थल कपिलवस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, संकिसा, जैन व सूफी परंपरा से जुड़े स्थलों में भी आध्यात्मिक तीर्थाटन की संभावनाएं ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में मानव सृष्टि और जीव सृष्टि के उद्गम स्थल के भी प्रमाण मिलते हैं। सोनभद्र के फासिल्स पार्क की आयु उतनी ही है, जितनी जीव सृष्टि की है। लगभग डेढ़ सौ करोड़ वर्ष पूर्व के फासिल्स वहां पाए जाते हैं। ऐसे अनेक स्थल, प्राकृतिक सरोवर, ताल यहां मिलेंगे। यहां का करीब 15 हजार वर्ग किमी का क्षेत्रफल केवल वन संपदा है। यूपी में पौराणिक काल के वन हैं। यूपी के तराई क्षेत्र के बहराइच, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बलरामपुर और पीलीभीत में वन सुरक्षित हैं। इन वनों में भी घूमने वालों का अब तांता लगा रहता है। इसी तरह चूका, दुधवा, पीलीभीत टाइगर रिजर्व आने वाले टूरिस्टों की भीड़ बढ़ रही है। इसे देखते हुए चित्रकूट व बिजनौर के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व को का विकास किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ही के साथ ही हैरिटेज व ईको टूरिज्म की संभावनाओं को देखते हुए उनके प्रति आकर्षण बढ़ाने की राज्य की ओर से कोशिश तेज की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश आने वाले तीर्थयात्रियों और सैलानियों का मनोरंजन हो, उनका ज्ञान बढ़े, अतीत व इतिहास के साथ उन्हें जुड़ने का अवसर प्राप्त हो, इस दिशा में भी काम किए जा रहे हैं। इसे देखते हुए राज्य में उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड गठित किया जा चुका है। इस दिशा में काम को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ में कुकरैल के पास नाइट सफारी बनाया जा रहा है। इसके पहले लगभग विलुप्त हो चुकी कुकरैल नदी को जीवित करने की तैयारी है। कभी कुकरैल गोमती की सहायक नदी थी। कुकरैल नदी को लोगों ने कब्जा करके नाला बनाकर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस पर हुए आठ हजार से अधिक अनधिकृत कब्जों को हटा जा चुका है। इसका असर दिख रहा है कि जब गर्मी में जल स्रोत सूख रहे थे, तब कुकरैल में जल के नए स्रोत बन रहे थे।

ध्यान रखना चाहिए कि जब सैलानी आते हैं तो अनेक लोगों के लिए रोजगार सृजन होता है। ईको टूरिज्म के क्षेत्र में लोगों ने अलग-अलग कार्य प्रारंभ किए हैं। सोहगीबरवा, दुधवा, चूका, पीलीभीत टाइगर रिजर्व के क्षेत्र में लोग आ रहे हैं और प्रकृति को देखकर खुद को समझ रहे हैं। तीर्थयात्रियों और सैलानियों को लुभाने के लिए तीर्थस्थलों और पर्यटन केंद्रों की कनेक्टिविटी बढ़ाने की कोशिश हो रही है। लखीमपुर में पुरानी एयरस्ट्रिप का एयरपोर्ट के रूप में विकास करने की तैयारी है। पिछले साल यहां के लिए होलीडे ट्रेन चलाई गई थी। इसके साथ ही जगह-जगह स्थानीय निवासियों को गाइड के रूप में प्रशिक्षित करने की तैयारी है।

अखिलेश ने मैन ऑफ द मैच बनकर दिखा दिया

नीरज कुमार दुबे

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन आज उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता धूमधाम से मना रहे हैं। विभिन्न दलों के नेता भी अखिलेश यादव को जन्मदिन पर बधाइयां दे रहे हैं। अखिलेश यादव के लिए इस बार का जन्मदिन बेहद खास है इसलिए वह बहुत खुश नजर आ रहे हैं। दरअसल इस बार के लोकसभा चुनावों में मैन ऑफ द मैच बनकर उभरे अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनवा कर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर दी है। संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद समाजवादी पार्टी पहली बार पूरी तरह अखिलेश यादव की नीतियों और नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी थी और उसने बड़ी कामयाबी हासिल की। लोकसभा चुनावों में अखिलेश यादव अपने परिवार के सदस्यों को तो चुनाव जितवाने में सफल रहे ही साथ ही पार्टी को एकजुट कर उन्होंने जिस तरह से हर वर्ग का समर्थन हासिल किया वह अभूतपूर्व था।

देखा जाये तो कुछ समय पहले तक चाचा शिवपाल सिंह यादव जैसे अपने लोगों के अलावा बाहरी लोग भी अखिलेश यादव को महत्व नहीं दे रहे थे। याद कीजिये मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान जब अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के लिए कांग्रेस से कुछ सीटें मांगी थीं तो कमलनाथ ने कहा था- कौन अखिलेश वखिलेश। लेकिन जब मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार हुई तो उसके सुर एकदम से बदल गये और राहुल गांधी सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ नजर आने लगे। यही नहीं, पिछले साल मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव से पहले अखिलेश ने जिस तरह चाचा शिवपाल सिंह यादव को साथ लेकर पूरे परिवार को एकजुट किया उससे भी उनकी कामयाबी की राह आसान हुई।

जिन अखिलेश यादव पर समाजवादी पार्टी को मनमाने ढंग से चलाने का आरोप लगता था, उन अखिलेश यादव ने सबको साथ लेकर चलना शुरू किया तो सफलता कदम चूमने लगी। यही नहीं,

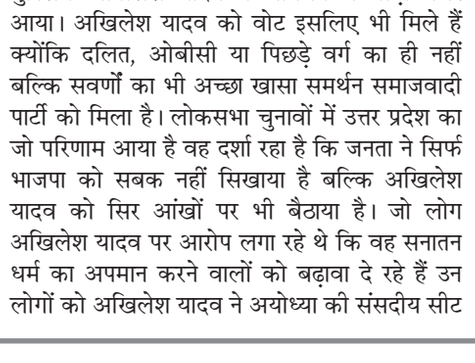

गठबंधन धर्म का पालन करते हुए अखिलेश यादव ने उदार दिल दिखाया और कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें दीं। साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के लिए भी सात सीटें छोड़ दीं। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले जब जयंत चौधरी एनडीए के साथ चले गये तब भी अखिलेश यादव निराश नहीं हुए क्योंकि उन्होंने जो सोशल इंजीनियरिंग की थी उसकी सफलता पर उन्हें पूरा भरोसा था। जब चुनाव परिणाम आये तो उन लोगों के चेहरों की हवाइयां उड़ गयीं जो अखिलेश यादव के पीडीए का मजाक उड़ाते थे।

लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को सिर्फ इसलिए वोट नहीं मिले हैं क्योंकि जनता मोदी और योगी सरकार से नाराज थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि जनता उनकी नीतियों से प्रभावित थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि मुस्लिमों का पूरा समर्थन उनके साथ आ गया है। भले आजम खान या कोई और मुस्लिम नेता अखिलेश यादव से नाराज दिखा लेकिन आम मुस्लिम अखिलेश यादव के समर्थन में खड़ा नजर आया। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि दलित, ओबीसी या पिछड़े वर्ग का ही नहीं बल्कि सवर्णों का भी अच्छा खासा समर्थन समाजवादी पार्टी को मिला है। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम आया है वह दर्शा रहा है कि जनता ने सिर्फ भाजपा को सबक नहीं सिखाया है बल्कि अखिलेश यादव को सिर आंखों पर भी बैठाया है। जो लोग अखिलेश यादव पर आरोप लगा रहे थे कि वह सनातन धर्म का अपमान करने वालों को बढ़ावा दे रहे हैं उन लोगों को अखिलेश यादव ने अयोध्या की संसदीय सीट जीतकर दिखा दिया। जब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने का निमंत्रण अखिलेश यादव ने ठुकराया था तो भाजपा का कहना था कि जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं, लेकिन अयोध्या-फैजाबाद की जनता ने अखिलेश यादव की पार्टी को जिताकर भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया और संदेश दिया कि जो काम का है उसे ही जनता पसंद करती है।

यही नहीं, जब लोकसभा चुनावों के बीच में ही अखिलेश यादव बार-बार कई संसदीय सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल रहे थे तो उन्हें नौसिखिया तक करार दिया जा रहा था। लेकिन चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि अखिलेश के वह सभी फैसले सही सिद्ध हुए। देखा जाये तो पूरे चुनावों के दौरान सपा मुखिया ने जिस तरह अपने गठबंधन के बीच सामंजस्य बनाये रखा, चुनाव के हर चरण के लिए नई नीति अपनाई, अपनी पार्टी को एकजुट रखा, कार्यकर्ताओं को निचले स्तर तक सक्रिय किया, सोशल मीडिया के जरिये अपने चुनाव अभियान को आगे बढ़ाया, जनता के बीच अपने घोषणापत्र की बातों को पहुँचाया और भाजपा को त्वरित तथा तगड़ा जवाब दिया उससे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति के नये स्टार के रूप में उभरे हैं। देखा जाये तो जब अखिलेश यादव पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तब उसमें उनका अपना कोई योगदान नहीं था क्योंकि अपने पिता की बदौलत उन्हें वह कुर्सी मिली थी। अपने बलबूते अखिलेश यादव को सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता इस बार के लोकसभा चुनावों में मिली है। इस बार समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 सीटें जीत कर भाजपा का मजा खराब कर दिया है। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का जो शानदार प्रदर्शन रहा है वह भी समाजवादी पार्टी से गठबंधन के बलबूते ही संभव हो पाया है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जहां सपा को कमजोर समझा जाता था वहां भी पार्टी का जोरदार प्रदर्शन दर्शा रहा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव का सिक्का चल गया है। देखना होगा कि आगामी विधानसभा उपचुनावों में सपा का प्रदर्शन कैसा रहता है?

टीएमसी के शहरी वोटबैंक से दीदी चिंतित

बिमल राय

भारत के कई क्षेत्रीय दल समय-समय पर राजनीतिक कारणों से क्षेत्रीय अस्मिता का खेल खेलते रहे हैं। महाराष्ट्र से शुरू हुआ कट्टर अस्मिता का जयगान कई राज्यों में होता रहा है। इसे राजनीतिक रोग व रणनीति, दोनों कह सकते हैं। रणनीति इसलिए, क्योंकि क्षेत्रीय अस्मिता जहरीला तत्व स्वत: नहीं पैदा करती। किसी राज्य के लोग अगर अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़े रहना चाहते हैं, तो यह अच्छी बात है। लेकिन भारत में किसी राज्य की सरकार यदि दूसरे राज्य के लोगों को बाहरी बताए, तो यह राष्ट्रीय अखंडता पर चोट ही है। फिलहाल, एक बार फिर बंगाली अस्मिता चर्चा में है। हाल के लोकसभा चुनाव परिणाम के विश्लेषण से पता चला कि तृणमूल कांग्रेस का शहरी वोटबैंक खिसक रहा है, जिससे दीदी चिंतित हैं। कोलकाता नगर निगम के कुल 144 वार्डों में 47 पर भाजपा को बढ़त मिली है। पिछले नगर निगम चुनाव में 10 वार्डों में ही जीत मिली थी। कोलकाता और आसपास के इलाकों में विधानसभा की 28 सीटें हैं। राज्य के 60 प्रतिशत नगर निगमों व पालिकाओं में भाजपा की साफ बढ़त दिखी है। बंगाल में ऐसे कुल 125 निकाय हैं। 2021 में भाजपा 69 निकायों में आगे थी। उनका मानना है कि शहरों में बाहरी लोग बढ़ गए हैं, इसलिए उन्होंने 'हॉकर हटाओ' अभियान शुरू किया है। जबकि नवंबर, 1996 में वाममोर्चा सरकार के ऑपरेशन सनशाइन का हश्र वह देख चुकी हैं। उस समय उन्होंने खुद हॉकरों के पक्ष में फुटपाथ पर बैठकर आंदोलन किया था। असल में भ्रष्टाचार की वजह से शहरी वोटर ममता सरकार से नाराज हैं। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में राज्य, खासकर कोलकाता व उपनगरों का जनसांख्यिकी संतुलन बिगड़ने पर चिंता जताई। उन्हें लगता है कि कुछ समय बाद शहरी क्षेत्रों में बांग्ला बोलने वाले अल्पमत में आ जाएंगे। उनके मुताबिक, पैसे लेकर हॉकरों को फुटपाथों पर जगह दी जा रही है। उन्होंने कई विधायकों, मेयरों, नगरपालिका अध्यक्षों और पार्षदों के अलावा पुलिस प्रशासन के एक बड़े हिस्से को हफ्तावसूली जैसे भ्रष्टाचार में लिप्त माना। बताया जा रहा है कि पुलिस जैसे ही अपनी कार्रवाई के लिए कुछ संवेदनशील इलाकों की तरफ बढ़ी, तो दीदी ने ऑपरेशन रोक कर हॉकरों को एक महीने का समय दे दिया। सवाल उठता है कि 4-5 दिनों के अभियान में उजाड़े गए हॉकरों को एक महीने का समय क्यों नहीं दिया गया, जो इस मौसम में पुलों के नीचे या खुले में बाल-बच्चों को लेकर रह रहे हैं? इस पर राजनीति भी हो रही है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का आरोप है कि सिर्फ हिंदू हॉकरों को ही हटाया जा रहा है। माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा, यूसुफ पठान व कीर्ति आजाद जैसे बाहरी लोगों को अपनी पार्टी के टिकट पर संसद भेजने वाली ममता का बाहरी राग मौजूं नहीं है। ममता को पता है कि कोलकाता ही नहीं, पूरे बंगाल का जनसांख्यिकी संतुलन किन समुदायों की घुसपैठ से बिगड़ रहा है। अगर उनका इशारा हिंदी भाषियों की ओर है, तो वह दौर अब सिर्फ लोकगीतों में ही दिखता है। अब तो नायिकाएं शायद यह गीत गाएंगी कि पूरब न जइयो सैंया चाकरी नहीं है। भ्रष्टाचार, बंद होते कारखानों व नया निवेश नहीं होने से पढ़े-लिखे बंगाली नौजवान रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख कर रहे हैं। कूचबिहार जिले के माथाभांगा में 25 जून को एम महिला को नंगा कर इसलिए घुमाया गया कि वह भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे का सदस्य थी। इसी तरह, उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा में शरिया अदालत ने एक युवक-युवती को सरेआम पीटने का फरमान सुनाया। विधायक हमीदुर्रहमान के करीबी ताजेमुल नाम के तृणमूल कार्यकर्ता ने दोनों को चौराहे पर पीटा। हमीदुर्रहमान तो पीड़िता को ही 'दुष्ट जानवर' कह रहे हैं। सवाल यह है कि ममता पुलिस, प्रशासन और अपने कैडरों की मिलीभगत पर कब अंकुश लगाएंगी? शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार उजागर होने पर लगा कि ममता इस विभाग को पटरी पर लाएंगी, पर हाल ही में माध्यमिक शिक्षा परिषद के मुखिया ने?बताया कि इस साल 41 हजार परीक्षार्थियों ने उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का आवेदन किया, जिसमें से 12,468 छात्रों के खातों में अंक जोड़ने की गलतियां पाई गईं। मूल्यांकन के बाद चार छात्रों के रैंक बदल गए। कहीं यह कारनामा नौकरी खरीदने वाले मास्टर मोशाय ने तो नहीं किया है? इन पर कब बुलडोजर चलेगा?

ऑफिस में कई बार हम कुछ ऐसा पहनकर चले जाते हैं जिससे हम उपहास या गॉसिपिंग का पात्र बन जाते हैं। शालीनता के साथ अगर आप ऑफिस में अपने आपको कैरी करती हैं तो आपको कपड़ों को लेकर कभी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। आपके ड्रेसिंग सेंस की सब तारीफ करेंगे

ऑफिस में क्या पहनें... जरा ध्यान दें

हर चीज चाहे वो कपड़े ही क्यों न हों, समय और जगह के माकूल होने चाहिए, नहीं तो वो बुरे लगने लगते हैं। यह बात यूं तो हर जगह लागू होती है, पर अगर आप वर्किंग वुमन या गर्ल हैं तो फिर इस बात पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। ऑफिस में कई बार हम कुछ ऐसा पहनकर चले जाते हैं जिससे हम उपहास या गॉसिपिंग का पात्र बन जाते हैं। शालीनता के साथ अगर आप ऑफिस में अपने आपको कैरी करती हैं तो आपको कपड़ों को लेकर कभी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। आपके ड्रेसिंग सेंस की सब तारीफ करेंगे, सो अलग।

ट्राउजर, जीन्स में फोन पिन न करें

अगर आप इंजीनियर या आर्किटेक्ट जैसे फील्ड वर्क में हैं तो ट्राउजर, जीन्स आदि में फोन पिन करना ठीक भी हैं, लेकिन ऑफिस में यह स्टाइल सही नहीं है। यह देखने में बिल्कुल चाइल्डिश लगता है। मोबाइल फोन को या तो अपने पर्स में या फिर हाथ में ढंग से कैरी करें।

स्किन रिवीलिंग ड्रेस को ना

बहुत ज्यादा स्किन रिवीलिंग ड्रेस पहन कर भी ऑफिस में आना अच्छी बात नहीं है। ऑफिस में इस तरह की ड्रेस न केवल खराब लगती है, बल्कि छवि पर भी इसका खास असर पड़ता है।

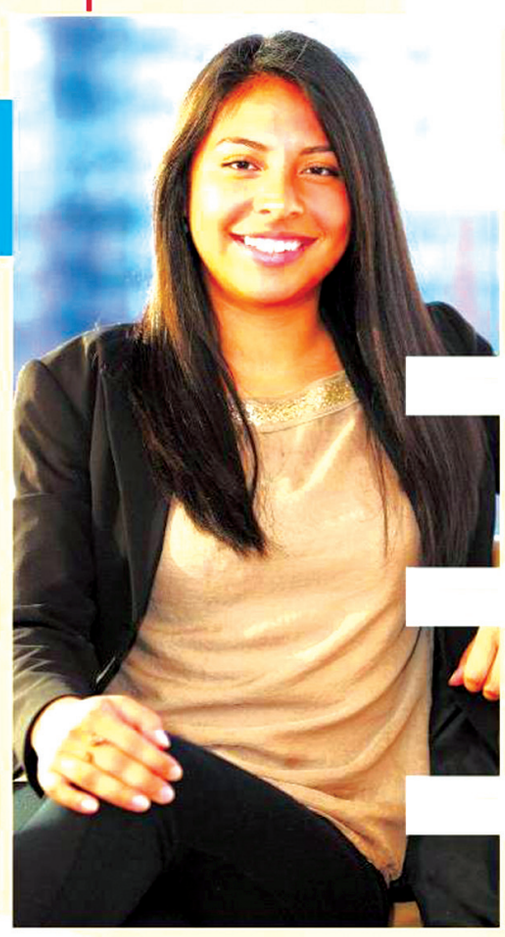

शॉर्ट कपड़े न ही पहनें तो अच्छा है

ऑफिस में कोई भी ड्रेस पहनने के लिए कुछ नियम-कायदे होते हैं। ऐसे में आप उन्हें फॉलो न करके शॉर्ट कपड़े पहन कर अगर ऑफिस आती हैं तो एक तो यह ऑफिस डेकोरम के खिलाफ बात होगी, दूसरे आप बिना मतलब के लोगों के बीच चर्चा का विषय बन जाएंगी। इसलिए शॉर्ट ड्रेसेस न ही पहनें तो ज्यादा सही रहेगा।

बहुत ज्यादा टाइट और पतला कपड़ा

बहुत-सी महिलाएं यह मानती हैं कि फिटिंग के कपड़े पहनने से एक कॉन्फिडेंस आता है, यह कुछ हद तक सही है। लेकिन अगर आप ऑफिस में फिटिंग के कपड़े की जगह बिल्कुल ही टाइट फिटिंग और बेहद पतले स्टफ के कपड़े पहन कर आती हैं तो हो सकता है कि आप लोगों के सेंटर ऑफ अट्रैक्शन का पार्ट बन जाएं, जो पॉजिटिव वे में तो कम पर, निगेटिव वे में ज्यादा होगा।

हाई हिल्स पहन कर आना

माना कि हाई हील्स पहनना आपको पसंद है, लेकिन ऑफिस में ये परफेक्ट नहीं। हील्स आवाज बहुत करती हैं, जो ऑफिस में अन्य लोगों को काम करने में बाधा पहुंचा सकती हैं। इसलिए अगर आपको हील पहननी भी हैं तो फ्लैट हील या फिर कम हील की सैंडल्स पहनें या फिर फ्लैट स्टाइलिश स्लीपर पहनें, पर जो भी पहनें, वो आपकी ड्रेस के मुताबिक हो, यह जरूर देख लें।

ज्यादा चटकीले रंग के कपड़े

ऑफिस में सिम्पल और सोबर रंग के कपड़े पहनना ज्यादा सही रहता है। कुछ महिलाएं होती हैं, जो ऑफिस में बहुत ज्यादा कलरफुल और चटकीले रंग के कपड़े पहन कर आती हैं। उनका यह ड्रेसिंग सेंस न तो ऑफिस के लिहाज से अच्छा होता है और न ही लोग उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ करते हैं। हां उल्टे, वो मजाक का पात्र जरूर बन जाती हैं।

नहीं दिखे स्पैगिटी की स्ट्रिप

अंडर समीज या स्पैगिटी की स्ट्रिप अगर बार-बार फिसल कर आपके कुर्ते आदि की बाहों के नीचे आती है तो यह बहुत ही इम्बैरिसिंग मूमेंट हो सकता है आपके लिए। इसलिए ऐसे कपड़े बिल्कुल भी न पहनें, जिनकी वजह से आपको शर्मिंदा होना पड़े पूरे ऑफिस में।

लिविंग रूम को बनाएं जानदार

कपड़े प्रेस करने वाले आयरन में जंग लग जाती है, जिसे आप नमक के घोल से साफ कर सकती हैं।

लिविंग रूम में कई तरह के फूलों के गुलदस्ते भी रखें। गुलदस्ते के लिए आप कृत्रिम के साथ-साथ प्राकृतिक फूलों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लिविंग रूम को सजाने का यह आसान तरीका है। लिविंग रूम में आप अपनी दीवार के लिए सफेद और मटैलिक सिल्वर के कांबीनेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बड़े काम का नमक

अगर कांच के गिलास साफ करने हैं तो उन्हें नमक वाले पानी के घोल में दस मिनट के लिए भिगो कर रखें और फिर उन्हें नींबू और साफ पानी से धो लें। कपडे प्रेस करने वाले आयरन में जंग लग जाती है, जिसे आप नमक के घोल से साफ कर सकती हैं। महीने में एक बार नमक के घोल से चांदी का सामान साफ करें। चांदी के गहनों को नमक वाले घोल में 15 मिनट के लिए भिगो कर बाद में साफ पानी से धो लें।

ट्रेंडी प्रिंटेड ब्लेजर

मौसम को देखते हुए ब्लेजर और ट्रेंड को देखते हुए प्रिंट। यदि इन दोनों चीजों को साथ मिलाया जाए, तो जो मसाला तैयार होगा, वही लेटेस्ट ट्रेंड होगा। डिजाइनर इसी वजह से प्रिंटेड ब्लेजर ला रहे हैं।

लार्ज प्रिंट

व्हाइट बैकग्राउंड के साथ यदि ब्ल्यू लार्ज प्रिंट आजमाया जाए, तो यह सभी को पसंद आएगा। बूटेदार प्रिंट इस मामले में सबसे ज्यादा चलन में है। जारा इंडिया पर इसकी कीमत 4790 रूपए है।

मोनो प्रिंटेड

यदि आपको मल्टीकलर प्रिंट पसंद नहीं, तो वर्कप्लेस पर इसे आजमाएं। ये कई डिजाइन्स में अवेलेबल हैं। कूव्ज ऑनलाइन स्टोर पर इसकी प्राइस 945 रूपए है।

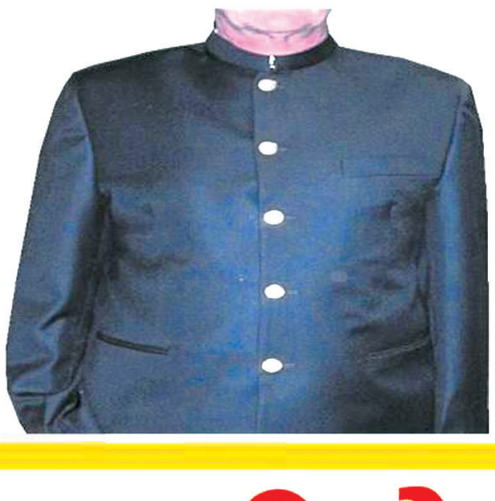

वूलन चैक्ड

इसे किसी भी तरह की रेगुलर ड्रेस के साथ आजमाया जा सकता है। बीकाइंड ब्रांड के इस ब्लेजर की प्राइस 1799 रूपए से शुरू है।

लेपर्ड डिटेलिंग

आप यदि इसे किसी पार्टी में पहन रही हैं, तो लेपर्ड डिटेलिंग को आजमा सकती हैं। साड़ी पर भी ये अच्छे लगते हैं। विवेशियस इन वॉग ब्रांड ब्लेजर की प्राइस 2200 रूपए है।

पिंक फ्लॉरल

यदि आप फ्लॉरल प्रिंट ही आजमाना चाहती हैं, तो पिंक फ्लॉरल को आजमाइए। कूव्ज ऑनलाइन स्टोर पर प्राइस 1185 रूपए है।

कैजुअल प्रिंटेड

सिम्पल और सॉबर ब्लेजर के लिहाज से कैजुअल प्रिंटेड ब्लेजर बेस्ट ऑप्शन है। इन्हें किसी भी मौके पर कैरी किया जा सकता है। स्टाइलटॉस पर प्राइस 1399 रूपए से शुरू है

ब्राइट होलोग्राफ

यदि आप कॉलर लैस ब्लेजर पसंद करती हैं, तो यह ब्राइट ब्लेजर आपको पसंद आएगा। ग्लेम एंड लक्स ब्रांड के ब्लेजर की कीमत 1999 रूपए है।

बढ़ती है आपकी उम्र

माना आजकल बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है और चेहरे को हमेशा साफ रखना चाहिए, पर इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप हर घंटे ही अपना चेहरा धोते रहें। दिन में चेहरे को दो बार धोना चेहरे को साफ रखने के लिए पर्याप्त है।

चेहरे की त्वचा पर एक झुर्री या फाइन लाइन क्या दिखी, महिलाएं परेशान हो जाती हैं, क्योंकि हर कोई हमेशा जवां बना जो रहना चाहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हम रोजाना ऐसी बहुत-सी हरकतें या आदतें दोहराते हैं जिस वजह से हम बहुत हद तक खुद ही बुढ़ापे को न्योता देते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही छोटी पर महत्वपूर्ण आदतों के बारे में, जो आप और हममें होती हैं, जिसका खामियाजा हमारी त्वचा को उठाना पड़ता है।

वजन कम करने की चाहत

आजकल तो वजन कम करने का एक ट्रेंड ही चल पड़ा है। कई बार तो कुछ महिलाएं अपना वजन इतना ज्यादा कम कर लेती हैं कि बाद में उन्हें शरीर को सही रखने के लिए वजन बढ़ाना पड़ता है। ऐसा करने से त्वचा अपनी कसावट खो देती है। जिस वजह से त्वचा लटकती नजर आती है और उसका कसाव कम हो जाता है।

बहुत ज्यादा मुंह धोना

माना आजकल बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है और चेहरे को हमेशा साफ रखना चाहिए, पर इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप हर घंटे ही अपना चेहरा धोते रहें। दिन में चेहरे को दो बार धोना चेहरे को साफ रखने के लिए पर्याप्त है। एक बात का ध्यान रखें कि बार-बार चेहरे को धोने से चेहरे की त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है और त्वचा अपने आप रूखी हो जाती है। जिससे रिंकल्स पड़ने की आशंका रहती है

स्ट्रॉ से पेय पदार्थ पीना

आप इसे फैशन मानें या फिर कुछ और, पर अधिकतर महिलाएं सॉफ्ट ड्रिंक्स आदि को पीने के लिए स्ट्रॉ का उपयोग ही करती हैं, पर स्ट्रॉ का उपयोग करते वक्त उन्हें यह बिल्कुल ख्याल नहीं रहता है कि ऐसा करने से होंठों के चारों ओर की त्वचा सिकुड़ जाती है और इससे होंठों के आसपास की त्वचा में झुर्रियों की आशंका होती है।

कॉन्टेक्ट लेंस पहनना

कॉन्टेक्ट लेंसेस का कॉन्सेप्ट उन लोगों के लिए आया था, जिनकी आंखों में बहुत ज्यादा पावर वाला चश्मा होता था, लेकिन आज मामला थोड़ा उल्टा है। आजकल बाजार में हर रंग के कॉन्टेक्ट लेंसेस मिलते हैं, जिन्हें अक्सर लड़कियां फैशन स्टेटमेंट के चलते कैरी करती हैं। हमेशा कॉन्टेक्ट लेंसेस का इस्तेमाल करने से आंखों को चोट भी पहुंच सकती है और आंखों के आसपास की त्वचा चूंकि नाजुक होती है तो झुर्रियां पड़ने की आशंका भी होती है।

आंखें चेक कराएं

यूं तो कायदे से साल में एक से दो बार आंखों का चेकअप कराना बहुत ही जरूरी है, पर अधिकतर महिलाएं ऐसा बिल्कुल नहीं करतीं। ऐसे में आंखों में भैंगापन की समस्या हो सकती है और इस कारण आपकी खूबसूरती भी जाती रहेगी और दोनों भौंहों के बीच झुर्रियों की समस्या भी हो सकती है, इसलिए समय पर नियमित रूप से चेकअप कराना बहुत फायदेमंद रहता है

ज्यादा ड्राइविंग से बचें

आपमें से अधिकतर महिलाएं ये सोचती होंगी कि कार में ड्राइविंग करते वक्त वो सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणों से बची रहती हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राहुल गांधी की टिप्पणी पर आई आरएसएस-विहिप की प्रतिक्रिया

नईदिल्ली। राहुल गांधी के बयान को लेकर जारी सियासी बवाल के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद का बयान भी आ गया है। कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सुनील अंबेकर ने कहा, ''महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों द्वारा हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि चाहे यह स्वामी विवेकानंद का हिंदुत्व हो या महात्मा गांधी का, यह सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। उधर, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी राहुल गांधी की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि अगर कांग्रेस नेता सोचते हैं कि उनकी पार्टी हिंदुओं को 'अपमानित' करके वोट प्राप्त करेगी, तो उन्हें याद रखना चाहिए कि लोकसभा की जीती गई सीट के मामले में वह अब भी भाजपा से काफी पीछे है। आलोक कुमार ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''उन्हें (गांधी को) याद रखना चाहिए कि कांग्रेस को (हालिया लोकसभा चुनाव में) 542 में से सिर्फ 99 सीट पर जीत मिली और वह अब भी अपने प्रतिद्वंद्वी से काफी पीछे है।

अपने हिंदू वाले बयान पर राहुल गांधी कायम

नईदिल्ली। लोकसभा में अपने भाषण के कई हिस्सों को अध्यक्ष द्वारा हटा दिए जाने के कुछ घंटों बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी की दुनिया में सच्चाई को मिटाया जा सकता है, लेकिन हकीकत में नहीं। उन्होंने कहा कि मोदी की दुनिया में सच को मिटाया जा सकता है। लेकिन हकीकत में सच्चाई को छुपाया नहीं जा सकता। मुझे जो कहना था मैंने कह दिया, वही सच है। वे जितना चाहें उतना मिटा सकते हैं। सत्य तो सत्य है। कांग्रेस नेता सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान की गई कुछ टिप्पणियों पर सवालों का जवाब दे रहे थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के पहले भाषण के कई हिस्सों में अल्पसंख्यकों, एनईईटी विवाद और अग्निपथ योजना सहित विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया था।

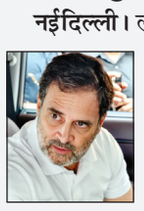

दिग्विजय के भाई लक्ष्मण ने राहुल के बयान पर उठाए सवाल

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने संसद में हिंदुओं के बारे में अशोभनीय टिप्पणी करने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की है। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में, राहुल गांधी ने उस समय विवाद पैदा कर दिया जब उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेता हिंदू नहीं हैं क्योंकि वे चौबीसों घंटे हिंसा और नफरत में लगे रहते हैं। एक एक्स पोस्ट में मध्य प्रदेश कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह ने कहा, संसद में हिंदुओं पर की गई टिप्पणियां अशोभनीय और अनावश्यक हैं। सिर्फ और सिर्फ जनता और देश से जुड़े मुद्दों को उठाना ही उचित होगा। लक्ष्मण सिंह राजगढ़ लोकसभा सीट से पांच बार सांसद रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को हिंदू कहने वाले हर समय 'हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार तरीके से विरोध जताया।

संजय राउत ने राहुल गांधी के बयान का किया बचाव

नईदिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत मंगलवार को संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भाषण से उपजे राजनीतिक विवाद में कूद पड़े। संजय राउत ने मंगलवार को कांग्रेस नेता का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुओं या हिंदू समुदाय के बारे में कोई गलत टिप्पणी नहीं की है। राउत नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल राहुल गांधी जी ने कहा कि हिंदुत्व बीजेपी के बराबर नहीं है। हिंदुत्व नफरत फैलाने को बढ़ावा नहीं देता। हम भाजपा द्वारा चित्रित नकली हिंदुत्व के साथ नहीं हैं। राहुल का समर्थन करते हुए राउत ने कहा कि उन्होंने हिंदुओं के बारे में कुछ भी गलत नहीं कहा। जो लोग खुद को हिंदू मानते हैं उन्हें फिर से सुनना चाहिए कि राहुल गांधीजी ने कहा था कि %हिंदुत्व% बहुत व्यापक शब्द है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बात को नहीं समझेगी। शिव सेना (उद्धव ठाकरे गुट) इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है जिसमें कांग्रेस और देश भर के अन्य विपक्षी दल शामिल हैं।

एनडीए की बैठक के बाद राहुल गांधी पर बरसे ललन सिंह

नईदिल्ली। एनडीए संसदीय दल की बैठक पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा कि यह एक अच्छी बैठक थी। इसके साथ ही उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी वार किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अभी भी अपरिपक्व हैं। वह अभी भी परिपक्व नहीं हुए हैं। वह विपक्ष के नेता बन सकते हैं लेकिन वह अभी भी परिपक्व नहीं हैं। जदयू नेता ने कहा कि कोई तथ्य या सच्चाई नहीं। उन्होंने सिर्फ आरोप लगाए हैं, अगर वह नेता प्रतिपक्ष बन गए हैं तो उन्हें परिपक्व होना चाहिए। एनडीए की बैठक पर केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरह से हमने हाल ही में स्पीकर चुनाव और अन्य उदाहरणों के दौरान संसदीय परंपराओं का उल्लंघन होते देखा है। पीएम के अनुभव से सीखना बहुत मायने रखता है, हमें उनका मार्गदर्शन मिला आज इस पर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विपक्ष पर तंज

गैर-कांग्रेसी नेता का तीसरी बार पीएम बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संसदीय नियमों और संसदीय आचरण का पालन करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष एक गैर कांग्रेसी नेता का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है।

एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि पहली बार एक गैर-कांग्रेसी नेता, वह भी एक चायवाला, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बना है। नेहरू-गांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि %कांग्रेस के सदस्य प्रधानमंत्री हुआ करते थे तथा अपने दायरे से बाहर के लोगों को बहुत कम मान्यता देते थे। कांग्रेस के सबसे प्रमुख परिवार से बाहर से आए प्रधानमंत्रियों के योगदान को नजरअंदाज किया जाता था, उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में यह सुनिश्चित किया कि उन सभी को मान्यता मिले क्योंकि प्रत्येक ने किसी न किसी तरह से देश के लिए योगदान दिया है।

एनडीए ने राहुल गांधी के भाषण को बताया सबसे गैर जिम्मेदार

एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सांसदों से वरिष्ठ सदस्यों से संसद की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में सीखने की अपील की। पीएम मोदी की यह अपील राहुल गांधी के लोकसभा में सोमवार को दिए भाषण के बाद सामने आई है, जिसे एनडीए ने सबसे गैर जिम्मेदाराना भाषण करार दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से संसदीय मुद्दों का अध्ययन करने, नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने को कहा।

जब प्रधानमंत्री बोलते हैं तो संदेश सभी के लिए होता है

जब किरेन रिजिजू से पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का जिक्र किया? तो इस पर रिजिजू ने कहा कि %उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो संदेश सभी के लिए होता है।% उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में भाजपा पर जोरदार हमला किया था, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया गया था। इसका सत्ता पक्ष ने भारी विरोध किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता पर पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहने के लिए हमला बोला था।

रिजिजू ने कहा कि गठबंधन की बैठक में एनडीए नेताओं ने मोदी को उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सांसदों से मीडिया के सामने टिप्पणी करने से पहले किसी भी मुद्दे का अध्ययन करने को कहा और कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्रों के संपर्क में रहना चाहिए और मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

राज्यसभा में मल्लिकार्जुन को उपराष्ट्रपति ने लगाई फटकार

कभी किसी ने कुर्सी का इतना अपमान नहीं किया, जितना आपने किया : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली। मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान सभापति ने खरगे के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपने कुर्सी का जितना अपमान किया है, उतना किसी ने नहीं किया। धनखड़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि आप हर बार कुर्सी को नीचा नहीं दिखा सकते।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी अपने संबोधन में केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे थे। उन्होंने मणिपुर, काले धन और लद्दाख के मुद्दे पर केंद्र पर हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार ने बीते 10 वर्षों में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया। प्रमोद तिवारी जब ये कह रहे थे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बीच में कुछ कहना शुरू कर दिया, जिस पर सभापति ने कड़ी आपत्ति ली। इसके बाद प्रमोद तिवारी ने फिर से अपना संबोधन शुरू करते हुए पेट्रोल डीजल के दामों के मुद्दे पर केंद्र पर हमला बोला

और कहा कि दुनिया के बाजारों में तेल के दाम घटे और यहां बढ़े, इसमें प्रधानमंत्री के अपने दोस्तों यारों का कुछ है....। इस पर सभापति ने प्रमोद तिवारी को टोका कि बिना तथ्यों के आधार पर ऐसे आरोप मत लगाइए। इस दौरान फिर से जयराम रमेश ने अपनी सीट से खड़े होकर कुछ कहना शुरू कर दिया।

इसके बाद सभापति ने फिर से जयराम रमेश के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए तंज कसा कि जयराम रमेश इतने समझदार है कि उन्हें खरगे की जगह बैठना चाहिए। इस पर खरगे ने आपत्ति ली और बराबर में बैठीं सोनिया गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि %मुझे बनाने (राज्सभा में विपक्ष का नेता) वाले यहां बैठे हैं श्रीमति सोनिया गांधी। न रमेश मुझे बना सकता है और न आप मुझे बना सकते हैं%। खरगे के इस बयान पर सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने कहा %आप हर बार कुर्सी को नीचा नहीं दिखा सकते। आप हर बार कुर्सी का अनादर नहीं कर सकते... आप अचानक खड़े हो जाते हैं और बिना यह समझे कि मैं क्या कह रहा हूं, कुछ भी बोल देते हैं। इस देश और संसदीय लोकतंत्र और राज्यसभा की कार्यवाही के इतिहास में कुर्सी के प्रति इतनी अवहेलना कभी नहीं हुई, जितनी आपने की। अब आपको आत्मचिंतन करने का समय आ गया है।

मुझे ईवीएम पर ना भरोसा था, ना है: अखिलेश

नईदिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर भरोसा नहीं है, और भले ही उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें जीत ले, लेकिन इससे उन पर उनका भरोसा बहाल नहीं होगा। उत्तर प्रदेश के कन्नौज से सांसद ने लोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अध्यक्ष महोदय, मुझे न तो पहले ईवीएम पर भरोसा था, न वर्तमान में है और न भविष्य में रहेगा। उन्होंने कहा कि अगर मैं उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीत भी जाऊं, तब भी मुझे ईवीएम पर कोई भरोसा नहीं रहेगा।

सपा नेता ने आगे कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान, मैंने उल्लेख किया था कि हमारा लक्ष्य ईवीएम के साथ चुनाव जीतना है और अंतत: ईवीएम को हटाना है। उन्होंने कहा कि ईवीएम का मुद्दा तब तक रहेगा जब तक इन्हें चुनाव प्रक्रिया से हटाया नहीं जाएगा और समाजवादी पार्टी इसे उजागर करती

रहेगी। भारत के चुनाव आयोग पर कटाक्ष करते हुए, अखिलेश ने कहा कि जब आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू की गई थी, तो चुनाव आयोग ने सरकार के साथ-साथ कई लोगों के प्रति उदारता बरती थी। उन्होंने कहा कि मैं विवरण में नहीं जाना चाहता, लेकिन सरकार की वजह से ईसीआई पर सवाल उठाए गए हैं। यदि चुनाव निकाय स्वतंत्र रहेगा, तो न केवल भारत का लोकतंत्र स्वस्थ रहेगा, बल्कि यह दुनिया भर में और अधिक शक्तिशाली हो जाएगा। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में भाजपा ने दो बार सरकार बनाई और राज्य के साथ भेदभाव किया गया। यादव ने कहा कि मुझे वह दिन याद है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सड़क पर वायुसेना के विमान से उतरे थे और मुख्यमंत्री उनके साथ नहीं बैठे थे। उस एक्सप्रेसवे और वर्तमान में निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे को राज्य के बजट से वित्त पोषित किया जा रहा है। केंद्र ने राज्य को कोई एक्सप्रेसवे देने में योगदान नहीं दिया है।

राहुल-अखिलेश पर बरसे संतोष पांडेय

नईदिल्ली। भाजपा के सांसद संतोष पांडेय ने लोकसभा में अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि तुम्हारा लहजा बता रहा है कि तुम्हारी दौलत नई-नई है। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से अखिलेश मंगलवार को बोल रहे थे, जब सोमवार को शुरुआत हुई तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस प्रकार की बातें कीं। मंगलवार को अखिलेश ने शेर-शायरी से अपनी बात की शुरुआत की। तो मैं भी बता दूं कि अखिलेश जरा सा कुदरत ने नवाजा, आके बैठे हो फलसफे में। तुम्हारा लहजा बता रहा है तुम्हारी दौलत नई-नई है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए पांडेय ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को सदन में अपने भाषण के दौरान बार-बार भगवान शिव की तस्वीर दिखा रहे थे, लेकिन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री, जो कांग्रेस के नेता हैं, ''महादेव के नाम पर सट्टा चला रहे थे''। पांडेय ने राहुल गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा, ''नेता प्रतिपक्ष ने हिंदुओं का अपमान किया। सोमवार को सदन में मर्यादा को तार-तार करने की कोशिश की गई।'' भाजपा सदस्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सरकार ने पिछले 10 साल में कई ऐसे कामों को पूरा करके दिखाया है जो असंभव लगते थे और सरकार आगे भी अनेक ऐसे काम पूरे करेगी।

खेल
प्रमुख समाचार

6 जुलाई से भारत-जिम्बाब्वे के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज

नईदिल्ली। विश्व चैंपियन भारत की युवा टीम और जिम्बाब्वे टीम के बीच 6 जुलाई से 5 मैचों की टी20 सीरीज शुरू हो रही है। भारत 6 जुलाई से हरारे में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के संन्यास लेने के बाद टीम इंडिया मैदान में उतरेगी। इस सीरीज में हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। शुभमन गिल को टीम की कमान दी गई है। सारे मैच हरारे में खेले जाएंगे। सीरीज के सभी पांच टी20 मैच भारतीय समयानुसार शाम 4.30 बजे शुरू होंगे। अनुभवी बल्लेबाज सिकंदर रजा को जिम्बाब्वे की युवा टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि बेल्जियम में जन्मे अंतुम नकवी को भी टीम में शामिल किया है। जिम्बाब्वे हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा था।

भारत के जिम्बाब्वे दौरे का कार्यक्रम
पहला मैच: 6 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
दूसरा मैच: 7 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
तीसरा मैच: 10 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
चौथा मैच: 13 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
पांचवां मैच: 14 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब।

भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे।

जिम्बाब्वे टीम- सिकंदर रजा (कप्तान), अकरम फराज, बेनेट ब्रायन, कैंपबेल जॉनाथन, चतारा तेंडाई, जोंगवे ल्यूक, कैया इनोसेंट, मदांडे क्लाइव, माधेवेर वेस्ली, मारुमनी तादिवानाशे, मसाकाद्जा वेलिंगटन, मावुता ब्रैंडन, मुजारबानी ब्लेसिंग, मायर्स डायोन, नकवी अंतुम, नगारवा रिचर्ड, लायन मिल्टन।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

ऑलटाइम हाई पर पहुंचने के बाद फिसला शेयर बाजार

नईदिल्ली। उच्च मूल्यांकन पर चिंताओं के बीच मंगलवार को चुनिंदा बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में मुनाफावसूली के कारण इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट लेकर बंद हुए। इससे पहले कारोबार की शुरुआत में आज सेंसेक्स ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 34.74 अंक या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,441.45 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 379.68 अंक या 0.47 प्रतिशत उछलकर 79,855.87 के रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी भी 18.10 अंक या 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,123.85 पर आ गया। इंट्रा-डे में यह 94.4 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 24,236.35 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स

नईदिल्ली। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ (windfall tax) कर को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। कर दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है।

गॉडरेज प्रॉपर्टीज ने 3,150 करोड़ रुपये से ज्यादा के घर बेचे

नईदिल्ली। भारत की रियल एस्टेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी गॉडरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने आज यानी 2 जुलाई को बताया कि कंपनी ने अपने प्रोजेक्ट गॉडरेज वुडस्केप्स के तहत 3,150 करोड़ रुपये से ज्यादा के 2,000 से ज्यादा घर बेचे हैं। कंपनी ने कहा कि इन घरों की बिक्री बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड बुडिगेरे क्रॉस में हुई है। कंपनी ने बयान जारी करते हुए बताया कि यह गॉडरेज प्रॉपर्टीज का अब तक का सबसे सफल लॉन्च है, जिसमें बिक्री की प्राइस और वॉल्यूम के मामले में सबसे बड़ी सफलता प्राप्त हुई है, और यह पिछले तीन महीनों में 3,000 करोड़ रुपये की बिक्री के साथ दूसरा लॉन्च है। गॉडरेज वुडस्केप्स की सफलता के साथ, जीपीएल ने बेंगलूरु में तिमाही आधार पर 500 फीसदी बिक्री में बढ़ोतरी हासिल की है और दक्षिण भारत में अपनी वित्त वर्ष 24 की पूरी साल की बिक्री को पहले तिमाही में ही पार कर लिया है।

टीडी पावर सिस्टम्स को मिला कॉन्ट्रैक्ट

नईदिल्ली। टीडी पावर सिस्टम्स को एक प्रमुख अमेरिकी मूल उपकरण विनिर्माता कंपनी से गैस टरबाइन जनरेटर के लिए 92.8 लाख अमरीकी डॉलर का ठेका मिला है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि इन जनरेटर का इस्तेमाल मुख्य रूप से अमेरिका में 'फ्रैकिंग वेल' में, अमेरिका में कृत्रिम मेधा सर्वर कंपनियों के लिए बिजली आपूर्ति तथा 'बैकअप' के लिए और अन्य अनुप्रयोगों में किया जाएगा। इनकी आपूर्ति जनवरी 2025 से अगस्त 2025 के बीच की जाएगी। टीडी पावर सिस्टम्स के अनुसार, '' हम पुष्टि करते हैं कि किसी भी प्रवर्तक/प्रवर्तक समूह/समूह कंपनी का उस इकाई में कोई हित नहीं है जिसने ठेका दिया है। यह ठेका एक अंतरराष्ट्रीय इकाई द्वारा दिया गया है और यह संबंधित पक्ष लेनदेन के दायरे में नहीं आता है।''

तेल संकट से बादशाहत तक अमेरिका की भूमिका, पेट्रोडॉलर युग का अवसान!

(गतांक से आगे...)

अंशुमान तिवारी

21वीं सदी से आ रहे हम लोगों को पता है कि अमेरिका ने शैल ऑयल की मदद से ओपेक देशों के दबदबे को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। 1991 में यह क्रांति आपके सामने शुरू हो रही है। टाइम मशीन की मदद से आप अमेरिका के आधुनिक तेल उद्योग की बुनियाद पड़ती देख रहे हैं। मिशेल का टेक्सास हमेशा से अमेरिकी तेल उद्योग का गढ़ रहा है। मिशेल खालिस वाइल्डकैटर हैं, यानी ऐसे उद्यमी, जो अपनी पूंजी से जगह-जगह तेल तलाशते हैं। मिशेल इंजीनियर भी हैं, इसलिए वाइल्डकैटर होने का उनका जुनून 1980 के दशक में नई ऊंचाई पर पहुंच गया। मिशेल ने शैल गैस की पहेली सुलझाने की ठान ली। मिशेल एनर्जी ऐंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने दीवानों की तरह ऐसी तकनीक

की खोज शुरू कर दी, जिससे शैल की क्षैतिज परतों तक पहुंच कर उनमें दरार डाली जा?सके और तेल व गैस कुएं तक आ जाएं। मिशेल पैराडॉक्स!! ठीक सुना आपने, 1980 के मध्य तक तेल उद्योग में मिशेल को लेकर ऐसा ही मजाक चलता था। तेल की खुदाई तो सीधे वर्टिकल होती थी, मिशेल क्षैतिज ड्रिलिंग की कोशिश में थे। यह तो पैराडॉक्स ही हुआ न!

वर्ष 1991 में जिस वक्त हम मिशेल इंजीनियरिंग की ऑयल फील्ड पर पहुंचे, यहां सफलता का उत्सव चल रहा है। मिशेल ने हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग और हाइड्रोलिक फ्रैकिंग को साध लिया है। मिशेल ने पहले चट्टान में सीधी यानी वर्टिकल ड्रिलिंग की, फिर क्षैतिज खुदाई से शैल की परतों तक जगह बनाई, इसके बाद इसमें भरा गया हाई प्रेशर फ्लुइड, जिसमें होते हैं पानी, रसायन और रेत के दाने, जिन्हें प्रोपेंट्स कहा जाता है, यह फ्लुइड शेल परतों में दरार डालता है। यही फ्रैकिंग है, रेत के दाने इन दरारों में फंस जाते हैं और फिर तेल और गैस कुएं में आने लगती है। 2000 तक यह तकनीक और विकसित व प्रभावी हो गई। 21वीं सदी के पहले दशक में ये शैल चट्टानें इतना तेल और गैस उगलने लगीं कि अमेरिका इसे संभाल नहीं पाया। एक वाइल्डकैटर ने अमेरिका की किस्मत बदल दी। अमेरिका में 2023 तक कुल उत्पादन की करीब 72 फीसदी ड्राई गैस मिशेल के करिश्मे से आती थी। अमेरिका का 66 फीसदी यानी करीब 2.83 अरब बैरल तेल इन परतों से निकलता है। तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता तो कब की हासिल कर ली गई। अमेरिका अब दुनिया में तेल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और सऊदी, रूस, ईराक के बाद चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। नई तकनीक से शैल ऑयल की लागत 35 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई है, जो रूसी तेल की कीमत के बराबर है। हालांकि सऊदी का तेल अब भी इससे सस्ता है। यह फ्रैकिंग की ताकत है कि अमेरिका ने ओपेक के कार्टेल को कीमतें बढ़ाने से रोक दिया है, क्योंकि उसका तेल अब यूरोप से लेकर एशिया तक जा रहा है, जहां कभी ओपेक मुल्क अपना तेल बेचते थे। जॉर्ज पी. मिशेल ने अपने जुनून से इतिहास बदल दिया। ऊर्जा में कमजोर एक मुल्क केवल तीस साल में दुनिया की तेल ताकत बन गया। टाइम मशीन अब वुडलैंड्स में उतरेगी। अमेरिकी लोग जॉर्ज पी. मिशेल को पर्यावरण हितैषी के तौर पर याद करते हैं। पर्यावरण के बैरी तेल उद्यमियों को ऐसी प्रतिष्ठा नहीं मिलती। मिशेल की इस पहचान की वजह है यह वुडलैंड्स शहर, जिसमें रहना हर अमेरिकी का सपना है। यह शहर बसाकर मिशेल एक वाइल्डकैटर से ग्रीन सिटी बिल्डर हो गए। तेल उद्योग उन्हें इंजीनियरिंग और विज्ञान का महारथी मानता है, मगर मिशेल हमेशा कहते थे, मुझे कोई गलतफहमी नहीं है कि मैं एक वाइल्डकैटर हूं, वैज्ञानिक नहीं।

शहरों के सुनियोजित और संतुलित विकास के लिए काम करें सभी आयुक्त और सीएमओः साव

उप मुख्यमंत्री ने सभी नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की - नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली में लाएं बदलाव, परिणाममूलक कार्य करें'

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शहरों के सुनियोजित और संतुलित विकास के लिए काम करने को कहा। उन्होंने नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली में बदलाव लाते हुए परिणाममूलक कार्य करने के निर्देश दिए। श्री साव ने स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वे में हर निकाय की रैंकिंग में सुधार आना चाहिए। उन्होंने नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा के लिए अब हर महीने बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री कुंदन कुमार भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में कहा कि किसी भी राज्य की प्रतिष्ठा शहरों के विकास पर निर्भर करती है। दूसरे प्रदेशों के लोग शहरों में आते हैं और स्थानीय शहरों को देखकर अपने मन में राज्य की छवि गढ़ते हैं। लिहाजा आप लोगों के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के विकास के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। आप लोग इन संसाधनों का बेहतर से बेहतर उपयोग सुनिश्चित करें। श्री साव ने नगरीय निकायों द्वारा किए जा रहे विकास और निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को शहरों को

विकसित करने और नागरिकों के लिए जन सुविधाएं बढ़ाने गंभीरता और सक्रियता से काम करने को कहा। उन्होंने काम में लापरवाही और लेट-लतीफी पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री साव ने समीक्षा बैठक में शहरों में साफ-सफाई की स्थिति पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने नगरीय निकायों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, उनके पृथक्कीकरण, प्रोसेसिंग, रिसाइक्लिंग और गीले कचरे से कंपोस्ट बनाने के काम में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में हर नगरीय निकाय की रैंकिंग में सुधार आना चाहिए। अच्छी स्वच्छता रैंकिंग राज्य का सम्मान है। शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाकर राज्य का सम्मान बढ़ाना नगरीय निकायों की जिम्मेदारी है। उन्होंने 15वें वित्त आयोग और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की राशि का उपयोग कर शहरों की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने को कहा। उन्होंने निकायों द्वारा राशि व्यय करने के दौरान शासन के सभी नियमों और प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, राजस्व वसूली की स्थिति, अधोसंरचना मद और 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अप्रारंभ कार्यों को तत्काल शुरू करने तथा प्रगतिरत कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के अंतर्गत निर्मित मकानों में पात्र परिवारों का व्यवस्थापन जल्द से जल्द करने को कहा। श्री साव ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने मुख्यालय में ही निवास करने के निर्देश दिए। इससे कार्यों की निगरानी नियमित रूप से और सूक्ष्मता से हो सकेगी। उन्होंने बैठक में पर्याप्त तैयारी के साथ नहीं आने वाले अधिकारियों के प्रति नाखुशी जाहिर की। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी से और अपने पद की गरिमा के अनुरूप काम करने को कहा। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने बैठक में राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बड़े बकायादारों को नोटिस जारी करने को कहा।

उन्होंने राजस्व वसूली की नियमित समीक्षा करते हुए सप्ताह में एक दिन इसके लिए विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वसूली में रूचि नहीं लेने वाले आर.आई. और ए.आर.आई. पर कार्रवाई करने को कहा। नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक श्री कुंदन कुमार ने सभी नगरीय निकायों को 15वें वित्त आयोग की शेष राशि से किए जाने वाले कार्यों की योजना बनाकर शीघ्र संचालनालय को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों पर संबंधित निकायों को जल्द कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने संभागीय संयुक्त संचालकों और वहां पदस्थ कार्यपालन अभियंताओं को निर्माण कार्यों के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय जांच के लंबित प्रकरणों का निराकरण भी तेजी से करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ मंत्रालय में समीक्षा बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय और नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक श्री पुलक भट्टाचार्य भी मौजूद थे। वहीं नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, अभियंता तथा संभागीय संयुक्त संचालक अपने-अपने जिला मुख्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक में जुड़े।

लोक अदालतों में राजीनामा योग्य प्रकरणों का हो अधिक से अधिक निराकरण : सिन्हा

लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में आयोजित की गई बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा की अध्यक्षता में आगामी 13 जुलाई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में आज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति श्री गौतम भादुड़ी तथा न्यायाधीश, छत्तीसगढ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति न्यायमूर्ति श्री संजय के. अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, सचिव, फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, सीजेएम, लेबर जज बैठक में शामिल हुए।

बैठक में मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने सभी न्यायाधीशों से आगामी नेशनल लोक

अदालत में सिविल, आपराधिक एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकित कर निराकृत किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने न्यायालयों में 5 वर्ष एवं 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित राजीनामा योग्यप्रकरणों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं, विद्युत वितरण कंपनियों, बीएसएनएल, बीमा कंपनियों एवं अन्य के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्री-लिटिगेशन आवेदनों के पक्षकारों की प्री-सिटिंग करा अधिक-से-अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों के निराकरण की आवश्यकता बताई ताकि ऐसे मामले न्यायालय में संस्थित होने से पहले ही निराकृत हो जाये। उन्होंने कहा कि पक्षकारों की सहमति से एवं विधि अनुसार अधिक-से-अधिक राजीनामा योग्य मामलों का निराकरण करने के लिए लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी का यथोचित प्रयास अपेक्षित है। मुख्य न्यायाधिपति ने उच्चतम न्यायालय में 29 जुलाई 2024 से 03 अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत के आयोजन की महत्वपूर्ण पहल पर उच्चतम न्यायालय द्वारा छत्तीसगढ राज्य से संबंधित चिन्हांकित प्रकरणों में राजीनामा की संभावनाओं पर राज्य के समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की और समस्त प्रधान जिला न्यायाधीशों को निर्देशित किया कि विशेष रूचि लेकर पक्षकारों को नोटिस तामीली करा उनकी प्री-काउसिंलिंग इत्यादि हेतु समुचित कार्यवाही करें और सतत् निगरानी करें। इस वर्चुअल बैठक में न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने वीडियो कान्फ्रेंस में शामिल जिलों के समस्त न्यायाधीशों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें लोक अदालतों में पूर्ण उत्साह और पूर्ण क्षमता से योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से टीम वर्क के साथ कार्य करने को कहा साथ ही पिछली लोक अदालत में निराकरण हुए प्रकरणों की संख्या को बढ़ाने कहा।

बैठक में न्यायमूर्ति श्री संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश, छत्तीसगढ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ने भी ज्यादा से ज्यादा संख्या में मामलों को चिन्हांकित कर उन्हें विधि अनुसार निराकृत करने पर जोर दिया। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2024 हेतु निर्धारित कैलेण्डर अनुसार आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई 2024 को किया जा रहा है। यहां यह उल्लेखनीय होगा कि लोक अदालत उच्च न्यायालय से लेकर तहसील न्यायालयों के साथ साथ राजस्व न्यायालयों में भी आयोजित किये जाते हैं।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री नेताम ने केन्द्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया से नई दिल्ली में की सौजन्य मुलाकात

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने नई दिल्ली में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री मनसुख मंडाविया से नई दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। मंत्री नेताम ने मंडाविया को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

राजस्व प्रकरणों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए 5 से 20 जुलाई 2024 तक राजस्व पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने राज्य के सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वर्मा आज जिला मुख्यालय सारंगढ़ में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा है कि यह बात ध्यान में लायी गई है कि अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। सभी राजस्व अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण हो। समीक्षा बैठक में कलेक्टर सारंगढ़ श्री धर्मेश साहू ने मंत्री वर्मा को बताया कि जिले में पंचायत सचिव के माध्यम से गांव में ग्रामीणों के जितने राजस्व प्रकरण होंगे, उनके माध्यम से तहसीलदार कार्यालय में जमा होंगे, जिसका मॉनिटरिंग कलेक्टर स्तर पर किया जाएगा, जिससे जिले के राजस्व कार्यों के निपटारा शीघ्र होगा।

प्रभारी मंत्री वर्मा ने डायरिया नियंत्रण रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। सारंगढ-बिलईगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा और कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट परिसर सारंगढ़ से डायरिया नियंत्रण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रथ के माध्यम से ग्रामीणों को डायरिया की बीमारी के प्रति जागरूक कर उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सढ़े गले खाद्य पदार्थो के उपयोग से और बासी भोजन बचें। ज्ञातव्य है कि 01 जुलाई से डायरिया रोकथाम अभियान के अंतर्गत डायरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य, पंचायत, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा नगरीय प्रशासन विभाग के समन्वय के साथ जिले में आयोजित की जा रही है। यह कार्यक्रम 1 जुलाई से 31 अगस्त 2024 के मध्य ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिनों के माध्यम से 0 से 5 वर्ष के बच्चों वाले घरों में ओ आर एस पैकेट तथा जिंक टैबलेट वितरित किए जाएंगे तथा उल्टी-दस्त के दौरान बचाव के लिए पालकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में डायरिया नियंत्रण के प्रभावी और कारगर कदम उठाने के लिए प्रचार रथ प्राथमिक उपचार दवाओं सहित प्रचार-प्रसार की सामग्री एवं ऑडियो सिस्टम से लैस है।

70 लाख महिलाओं को राशि दी जाती तो 700 करोड़ होता है सरकार ने 653 करोड़ पर दिया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महतारी वंदन योजना के जरिए 70 लाख महिलाओं को इस माह किश्त देने का दावा झूठा है। 70 लाख महिलाओं को यदि 1000 रु. दिया जाता तो 700 करोड रुपए होता है। राज्य सरकार 653 करोड़ 85 लाख रुपए देने का दावा कर रही है इससे स्पष्ट हो गया है कि योजना से जुड़े 5 लाख महिलाओं को यह राशि नहीं मिला है। राज्य सरकार को उन 5 लाख महिलाओं का नाम सार्वजनिक करना चाहिए जिन्हें यह राशि नहीं मिली है। हकीकत में सरकार के द्वारा जारी आंकड़े कागजी है,ॠ पूरी महिलाओं को राशि नहीं दी जा रही है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के सभी महिलाओं को महतारी वंदन योजना के माध्यम से 1000 रू. प्रति माह देने का वादा किया गया था और चुनाव के दौरान भाजपा ने 85 लाख से अधिक महिलाओं से फॉर्म भी भरवा थे। सरकार बनने के बाद प्रदेश के 45 प्रतिशत महिलाओं को यह राशि नहीं मिल रही है। राज्य सरकार झूठी वाहवाही लूटने के लिए हर माह 70 लाख महिलाओं को राशि देने का दावा करती है.

सरकार पदोन्नति में आरक्षण के लिये नई अधिसूचना जारी करे

रायपुर। भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण अनुसूचित जाति और जनजाति के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण के लाभ से वंचित होना पड़ा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार पदोन्नति में आरक्षण के लिये नई अधिसूचना जारी करे। उच्च न्यायालय ने पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार द्वारा आरक्षण के संबंधों में 22 और 30 अक्टूबर 2019 को एक अधिसूचना जारी किया था जिसमें प्रमोशन का कोटा निर्धारित किया था जिसमें वर्ग 1 से वर्ग 4 तक के अनुसूचित जाति के कर्मचारियों को 13 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों को 32 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। जिसके विरोध कुछ लोगों ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका लगाई थी लेकिन वर्तमान भाजपा की साय सरकार ने इस मामले में आरक्षण के संबंध में सही तथ्य अदालत के सामने नहीं रखे जिसके कारण अदालत ने कांग्रेस सरकार के समय जारी अधिसूचना को रद्द कर दिया और अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। साय सरकार की लापरवाही से हाईकोर्ट में अनुसूचित जाति, जनजाति का पदोन्नति में आरक्षण रूका। भाजपा सरकार इस मामले में तत्काल निर्णय ले ताकि वंचित वर्ग को उनका अधिकार मिल सके।

प्रदेश की खराब सड़कों को लेकर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

बिलासपुर। प्रदेश की खराब सड़कों को लेकर हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। मामले में आज मुख्य सचिव अमिताभ जैन और एसडीओ बिलासपुर की ओर से अपनी कंप्लाएन्स रिपोर्ट हाईकोर्ट में प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट में बताया गया कि रायपुर स्थित धनेली रोड के लिए टेंडर प्रोसेस पूरा हो चुका है। लोएस्ट प्राइज के आधार पर जिस कंपनी को ठेका दिया गया है उसकी ओर से सुरक्षा निधि जमा करते ही काम शुरू किया जाएगा। इस रोड पर पुलिया, बिजली खंभे आदि कार्य भी पूरा कराया जाएगा। बिलासपुर एसडीओ ने सेंदरी रोड निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण पूरा होने की जानकारी दी। एसडीओ ने बताया कि कुछ जमीन ग्राम निरतू की भी ली गई है। एसडीओ ने जमीन अधिग्रहण सही होने की जानकारी देते हुए कहा कि वहां पर काम शुरू कराया जा सकता है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि हम आशा और विश्वास करते हैं कि शपथपत्र में दी गई जानकारी और कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कार्य होगा। प्रकरण की अगली सुनवाई 29 जुलाई को रखी गई है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल के कोर्ट में हुई। वहीं हाईकोर्ट ने प्रदेश की खराब सड़कों पर स्वत: संज्ञान मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष रायपुर एयरपोर्ट जाने वाले नेशनल हाइवे में धनेली के पास से विधानसभा मार्ग के खराब होने की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई ।

किसानों की मांग के अनुरूप खाद-बीज वितरण सुनिश्चित किया जाए

प्रदेश के सभी सहकारी बैंकों को किया जाए आदर्श बैंक के रूप में विकसितः कश्यप

रायपुर। सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आज अटल नगर नवा रायपुर स्थित अपेक्स बैंक के सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मंत्री श्री कश्यप ने बैठक में कहा कि प्रदेश के सभी सहकारी बैंकों को आदर्श बैंक के रूप में विकसित किया जाए। किसान धान विक्रय के बाद स्वयं का पैसा निकालने के लिए लंबी-लंबी कतारें लगाकर खड़े रहते हैं। इससे शासन की छवि खराब होती है। उन्होंने अधिकारियों को सभी बैंकों में पैसा निकालने आने वाले किसानों के लिए प्राइवेट बैंक की तरह पंखे और छाया-पानी आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप 'सहकार से समृद्धि' को साकार करने के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाई जाए और इसका बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। मंत्री श्री कश्यप ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने आने वाले किसानों को तत्कालिक रूप से राशि उपलब्ध कराने के लिए माइक्रो एटीएम सुविधा को भी सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को तत्कालिक रूप से जरूरत के लिए उपार्जन केन्द्र में राशि मिल सके। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने खाद-बीज वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों की मांग के अनुरूप खाद-बीज का वितरण किया जाए। सहकारी समितियों में पर्याप्त खाद-बीज का भंडारण हो। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि खाद-बीज के संबंध में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितता करने वालों के खिलाफ केवल राशि वसूली तक की कार्यवाही न हो, उन पर सख्त कार्यवाही भी की जाएगी। मंत्री कश्यप ने कहा कि धान उपार्जन वर्ष 2023-24 के समितियों में शेष धान का शीघ्र उठाव कर लिया जाए तथा लेखा मिलान भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 2 हजार 735 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से राज्य के 24.72 किसानों से 144.92 लाख मीटरिक टन धान का उपार्जन किया गया था, इसके एवज में किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 31 हजार 665 करोड़ 18 लाख रूपए तथा कृषक उन्नति योजना के तहत 13 हजार 260 करोड़ 55 लाख रूपए का भुगतान किया गया है।

दिव्यांगों को हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार से जोड़े : राजवाड़े

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि दिव्यांगजनों को हुनरमंद बनाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सभी आवश्यक पहल की जाए। श्रीमती राजवाड़े आज मंत्रालय महानदी भवन में समाज कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रही थी।

समाज कल्याण मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बैठक में कहा कि सभी जिलो में दिव्यांग के पुनर्वास के साथ-साथ उन्हें रोजगार मूलक कार्यों में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को वृद्धाश्रमों एवं दिव्यांग बाल आश्रम तथा अन्य पुर्नवास केन्द्रों की व्यवस्था दुरूस्त करने भी कहा। बैठक में समाज कल्याण विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव, संचालक सुश्री रोक्तिमा यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। समाज कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों से कहा कि बुजुर्गो, दिव्यांगों एवं निराश्रितों के कल्याण के लिए अपना शत-प्रतिशत दें तथा सेवाभाव के साथ काम करें।

उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम, दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित अनुदान प्राप्त संस्थाओं और पुनर्वास केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्था दुरूस्त करें। दिव्यांग बच्चों को हुनरमंद बनाकर स्व-रोजगार के साधन उपलब्ध कराएं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.